हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, रविवार, 24 मार्च 2024
जींद

तापमान
अधिकतम 33.0 डिग्री
न्यूनतम 18.0 डिग्री

10 36 अनाजमंडियों व खरीद केंद्रों पर खरीदा जाएगा पीला सोना

10 20 जगह लगाए नाके, शरारती तत्वों पर रहेगी विशेष निगाह

खबर संक्षेप

सफीदोः उडान ट्रस्ट ग्रुप ने किन्नरों संग मनाई होली

सफीदों । नगर की सामाजिक संस्था उड़ान ट्रस्ट गुरप के तत्वावधान में होली का पर्व धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रस्ट की महिला विंग की अध्यक्षा 'योति थनई की। इस मौके पर किन्नर गंगा मंहत अपनी टीम के साथ संस्था के कार्यालय पहुंचकर इस त्यौहार को संस्था की महिला पदाधिकारियों व कार्यकर्त्ताओं के संग मनाया।

रत्ताखेड़ा में मनाया शहीदी दिवस

सफीदों । हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति व डा. भीम राव अंबेडकर समाज सुधार समिति के संयुक्त तत्वावधान में उपमंडल के गांव रत्ताखेड़ा में शहीदी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के प्रधान भीम सिंह ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ शहीद भगत सिंह प्रतीमा पर पुष्पांजलि अर्पित करके किया गया। अपने संबोधन में भीम सिंह ने कहा कि 23 मर्च 1931 के दिन तीन महान देशभक्तों भगतसिंह, राजगुरू व सुखदेव को फांसी दी गई थी।

राजनीति से ऊपर होता है भाईचारा

उचाना। नागरिक अस्पताल के सामने कांग्रेस कार्यालय में होली मिलन समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम आयोजक दिलबाग संडील ने कहा कि होली मिलन समारोह कोई राजनितिक कार्यक्रम नहीं है। राजनीति से ऊपर उठकर भाईचारे की भावना को ताकत देने का संदेश देने के लिए समारोह का आयोजन किया।

महापुराण कथा का शुभारंभ

सफीदों । वेदाचार्य दंडीस्वामी डा. निगमबोध तीर्थ महाराज जी के परम् सान्निध्य में नगर की गुरूद्वारा गली स्थित श्री शिव शक्ति कृपा मन्दिर एवं हरि संकीर्तन भवन में श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का शुभारंभ हो गया। शुभारंभ से पूर्व विशाल कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा में महिलाओं ने सिर पर कलश धारण करके चल रहीं थीं।

पार्टी फंड में अनुदान करने के लिए बैठक

नरवाना। भारतीय जनता पार्टी मण्डल नरवाना की एक बैठक सर छोटूराम पार्क के हाल में मण्डल अध्यक्ष प्रमोद शर्मा की अध्यक्षता में हुई। बैठक के मुख्य अतिथि प्रदेश संगठन मंत्री फणिंद्र नाथ शर्मा रहे। बैठक की शुरूआत करते हुए मुख्य अतिथि प्रदेश संगठन मंत्री फणिंद्र नाथ शर्मा व जिला अध्यक्ष राजकुमार मोर व तीनों मण्डलों के अध्यक्ष प्रमोद शर्मा, अमित ढाकल व मनदीप चहल ने शहीदों की प्रतिमा के आगे दीप प्रवजलित किए व पुष्प अर्पित किए।

एनएसएस शिविर में छात्रों ने किया योग

जींद । छोटू राम किसान महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत चल रहे सात दिवसीय कैंप के छठे दिन डा. मनजीत द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थियों को योग की शिक्षा व उसका महत्व बतलाया गया। डा. मनजीत द्वारा वेदों पर प्रकाश डाला गयद्म व आने वाले समय में समस्याओं के समाधान हेतू वेदों का सहारा लेकर उनको दूर किया जा सकता है।

हजारों लोगों ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया

नरवाना। न्यू कावड़ सेवा समिति के तत्वावधान में धरौदी रोड स्थित मां काली मंदिर में श्रीमद्भावत ज्ञान यज्ञ कथा को शनिवार के दिन विराम दिया गया। इसके बाद भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें काफी संख्या में आसपास के लोगों ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। अंतिम दिन मुख्यतिथि के तौर पर विधायक रामनिवास सुरजाखेड़ा के प्रतिनिधि सतीश सुरजाखेड़ा ने शिरकत की।

आपदा में सहायता के लिए युवाओं को दी ट्रेनिंग

जींद। आपदा के समय फंसे लोगों तक सहायता पहुंचा कर उनकी जान बचाने के उद्देश्य से हरियाणा रेडक्रॉस ने आपदा वीर बनाने की योजना शुरू की गई है। इसके तहत युवाओं को आपदा में सहायता के लिए ट्रेनिंग दी जा रही है। इसमें जींद के तीन स्वयंसेवकों को आपदा वीर बनाया गया।

शहीदों की कुर्बानी को याद करते हुए शहर में निकाली श्रद्धांजलि बाइक यात्रा निकाली

शहीदों की चिताओं पर हर बरस लगेंगे मेले...

युवाओं ने शहीदों को नमन करते हुए लगाए भारत माता की जय के जयकारे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

शहीदी दिवस पर शहीदों की शहादत को याद करते हुए जयति-जयति हिंदू महान संगठन के आह्वान पर शनिवार को शहर में श्रद्धांजलि बाइक रैली का आयोजन किया गया। रैली के दौरान युवाओं में जोश देखते ही बन रहा था। हर युवा के हाथ में तिरंगा था और भारत माता की जय के जयकारे लगा रहे थे। रेलवे जंक्शन पर शहीदी यात्रा को संबोधित करते हुए संगठन संयोजक अतुल चौहान ने कहा कि शहीदे आजम भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, राजगरु व सुखदेव जैसे शहीदों ने अपनी कुर्बानी देकर ही देश को अंग्रेजों से आजाद कराया था। सभी विद्यार्थियों को भारत माता को आजाद कराने के लिए शहीद हुए शहीदों से प्रेरणा लेनी चाहिए। शहीद भगतसिंह, सुखदेव व राजगुरु ने एक अच्छे समाज के निमार्ण हेतु बलिदान दिया। शहीद चाहते थे कि एक ऐसा समाज बने जिसमें आदमी के द्वारा आदमी का शोषण न हो। जहां जात-पात का बोलबाला न हो, धर्म के नाम पर दंगे फसाद न हां, गरीब से गरीब आदमी भी इज्जत की जिंदगी जीएं। शहीदों ने अन्याय का विरोध करने के लिए अंग्रेजी सरकार से सीधी टक्कर ली। उन्होंने शहीदों के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शहीदों की कुर्बानी से ही हमारे अंदर भारत माता व मातृशक्ति की सेवा का ज'बा पैदा होता है। युवा पीढ़ी को शहीद भगत सिंह, राजगुरू, सुखदेव जैसी देश भक्त विभुतियों के जीवन दर्शन को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए। बाद में बाइक रैली रेलवे जंक्शन से शुरू होकर पटियाला चौक, रानी तालाब, गोहाना रोड से होती हुई शहीद स्मारक पंहुची। रैली के दौरान इंकलाब जिंदाबाद, जय श्री राम और वंदे मातरम के नारे लगाए गए और देशभक्ति के गीत सुनाए गए। शहीद स्मारक पर युवाओं ने शहीदों को नमन किया और उनके बताए रास्ते पर चलने की शपथ ली। उन्होंने कहा कि इस श्रद्धांजलि यात्रा में हजारों युवाओं ने भाग लेकर शहीदों को नमन किया है। संगठन द्वारा पिछले दस सालों से श्रद्धांजलि बाईक यात्रा का आयोजन किया जा रहा है जिसमे हर बार हजारों की संख्या में देशभक्त पहुंचते हैं।

जींद। जयति-जयति हिंदू महान संगठन द्वारा शहर में निकाली गई श्रद्धांजलि बाइक यात्रा।

जींद। शहीदी स्मारक पर शहीदों को नमन करते डीएन मॉडल स्कूल के बच्चे व स्टाफ।

डीएन मॉडल स्कूल में मनाया शहीदी दिवस

जींद । डीएन मॉडल स्कूल में शनिवार को शहीदी दिवस मनाया गया। विद्यार्थियों द्वारा शहीद स्मारक पर पहुंच कर शहीदों को पुष्पमालाएं अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर स्कूल की प्राचार्या राज रेढू व निदेशक वीरेंद्र ढिल्लो उपस्थित रहे। विद्यालय के निदेशक वीरेंद्र ढिल्लो ने बच्चों को शहीदों के बलिदान के बारे में बताया कि हमें देश व देश के शहीदों के लिए हमेशा सम्मान रखना चाहिए। भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरु की शहीदी के बारे में अवगत करवाते हुए कहा कि इन सभी देशभक्तो का बलिदान अतुलनीय है।

धरना स्थल पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

उचाना। उपमंडल कार्यालय में निरंतर एक साल से किसानों का सयुंक्त किसान मोर्चा उचाना धरना चल रहा है। शनिवार को किसानों ने धरना स्थल पर शहीदी दिवस मनाया। भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव को श्रद्धांजलि दी। धरना संयोजक आजाद पालवां ने कहा कि शहीदों की बलिदानी से देश स्वतंत्र हुआ था। शहीदों को सिर्फ 23 मार्च को नहीं हर समय याद रखना चाहिए। युवाओं को शहीदों से प्रेरणा लेनी चाहिए। निरंतर धरना स्थल पर पहुंचने वाले तीन किसानों भीखू बड़ौदा, पं. सीताराम, रामफल की मौत हो चुकी है। उनको भी किसानों ने श्रद्धांजलि दी और उनके परिवारजनों को सम्मानित किया।

शहीद भगत सिंह अच्छे विचारक और संगठनकर्ता थे : सोहनदास

जींद। शहीद यादगार समिति द्वारा शहीद ए आजम भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के 93वें शहीदी दिवस के अवसर पर मजदूर भवन जींद मे सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति के जिलाध्यक्ष सोहनदास व संचालन शहीद यादगार समिति के कनवीनर कपूर सिंह ने किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता जनवादी लेखक संघ के जिला सहसचिव डा. कपिल भारद्वाज ने संबोधित करते हुए कहा कि शहीद-ए-आजम भगत सिंह के विचारों कि प्रिपक्वता इसलिए बनी क्योंकि उन्होंने दुनियाभर के क्रांतिकारियों, दर्शनिकों व साहित्यकारों को पढ़ा और उन्हें आत्मसात किया।

जींद। मोतीलाल स्कूल में शहीदों को नमन करते हुए। फोटो :हरिभूमि

मोतीलाल नेहरू पब्लिक स्कूल में मनाया शहीदी दिवस

जींद। मोतीलाल नेहरू पब्लिक स्कूल प्रांगण में 23 मार्च को देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए उत्कृष्ट शहीदी दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल कोऑर्डिनेटर सुरेंद्र कुमार ने की। कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि इंडियन वेटर ऑर्गेनाइजेशन के जिलाध्यक्ष कैप्टन आरएस रेढू और वाइस प्रेसिडेंट लेफ्टिनेंट जोगिंदर खटकड़, जनरल सेक्रेटरी कैप्टन बलवान सिंह और आईवीओ जींद के अन्य 35 वेटरन्स ने शिरकत की। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए स्कूल एनसीसी अधिकारी सूबेदार मेजर विनोद कुमार ने आईवीओ जींद अध्यक्ष कैप्टन आरएस रेढू से मिलकर शहीदी दिवस को भव्य रूप से स्कूल प्रांगण में आयोजित करने के लिए आईवीओ मेंबर्स और स्कूल के मुख्य प्रशासक वीपी शर्मा व मैनेजमेंट के बीच तालमेल का कार्य किया। इस कार्यक्रम में देश की आजादी और संप्रभुता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वालों के प्रति सच्ची श्रद्धा, देशभक्ति और कृतज्ञता की भावना दिखाई दी।

शहीदों को किया नमन

जींद। डा. बीआर अंबेडकर वेलफेयर सोसायटी ने शनिवार को मां भारती के चरणों में अपना सर्वस्व अर्पित करने वाले वीर क्रांतिकारी अमर शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के शहीदी दिवस पर शहीदी स्मारक पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर दलबीर सिंह अल्याहन ने कहा कि इन देशभक्तों की बदौलत ही आज हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। हमें अपने देशभक्तों का हमेशा ही मान सम्मान करना चाहिए।

अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी व कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज की निंदा

- भाजपा का अलोकतांत्रिक तरीके अपना, लोकतंत्र के लिए खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

आम आदमी पार्टी कर्मचारी प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष सुभाष कौशिक ने कहा कि भाजपा सरकार की विपक्ष को निशाना बनाने की नीतियों से देश की लोकतांत्रिक प्रणाली को खतरा पैदा हो गया है। विपक्ष के नेताओं को जेल में डाला जा रहा है। जिसके चलते विपक्ष तथा जनता में भय का माहौल बनाया जा रहा है। सुभाष कौशिक आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करने तथा कुरूक्षेत्र में आम आदमी पार्टी कार्र्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज की निंदा करते हुए अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे। कहा कि भाजपा सरकार तानाशाही रैवया अपनाए हुए है। सरकार के खिलाफ आवाज उठाने पर उसे ताकत के बल दबाया जा रहा है। जिसके चलते जनता में माहौल भय का बना हुआ है। जो हालात बने हुए है। उससे लोकतंत्र को भी खतरा पैदा हो गया है। पहले किसानों आंदोलन को कुचलने की कोशिश गई। साढ़े सात सौ किसानों की जान आंदोलन के दौरान गई। देश की शान महिला खिलाड़ियो को न्याय के लिए सड़क पर बैठने को मजबूर कर दिया।

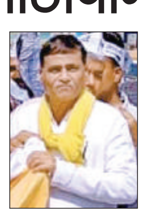

आप नेता सुभाष कौशिक

शिक्षा व संस्कार ही सफल व्यक्ति के जीवन का आधार : देवेंद्र सहरावत

जींद। नेशनल स्कूल बागडू खुर्द में शनिवार को वार्षिक उत्सव का आयोजन किया। इसमें मुख्यअतिथि के तौर पर समाजसेवी एवं युवा कांग्रेसी नेता देवेंद्र सहरावत ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल संचालक महीपाल व सोनू चहल ने की। कार्यक्रम में रोहताश चहल सरस्वती स्कूल बागड़ू खुर्द, एनरेश बराड़ पायनियर स्कूल सफीदों, राजिंद्र लांबा होली चाइल्ड स्कूल, गुलाब सिंह गुरु गोबिंद स्कूल सफीदों, विजय भारद्वाज जेडी इंटरनेशनल स्कूल, हवा सिंह सफीदों प्राइवेट स्कूल संघ प्रधान, समाजसेवी देवेंद्र सहरावत ने गुरु गोविंद सिंह स्कूल के संचालक गुलाब सिंह किरोड़ीवाल का शाल देकर सम्मान किया। कार्यक्रम में छात्र व छात्राओं ने देशभक्ति व हरियाणवी गीतों पर कार्यक्रम प्रस्तुत करके समां बांध दिया। बाद में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को ट्राफी देकर सम्मानित किया।

सरकार से हर वर्ग दुःखीः दलाल

- जुलाना में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जुलाना

जींद-रोहतक मार्ग पर स्थित कांग्रेस नेता रोहित दलाल के कार्यालय पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस नेता रोहित दलाल ने की। बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए रोहित दलाल ने कहा कि युवा भर्तियां पूरी होने का इंतजार कर रहे हैं लेकिन कभी पेपर लीकए कभी नौकरियों की खरीद-फरोख्त तो कभी अन्य गड़बड़ियों के चलते भर्तियां लटकती जा रही हैं। पढ़े-लिखे युवा भयंकर बेरोजगारी का सामना कर रहे हैं। अब ये बेरोजगारी युवाओं के लिए जानलेवा साबित हो रही है। रोजगार ना मिलने के हताशा में युवा आत्महत्या जैसा कदम तक उठा रहे हैं। रोहित दलाल ने कहा कि समाज के चारों बड़े वर्ग किसान, मजदूर, व्यापारी, कर्मचारी इस सरकार की गलत नीतियों से दुखी हैं और एक-एक दिन गिन-गिन कर काट रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज पूरा प्रदेश बीजेपी के कुशासन, भ्रष्टाचार, महंगाई, बेरोजगारी और बढ़ते अपराध से परेशान है।

जींद। बैठक में मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ता। फोटो :हरिभूमि

जींद। आहलूवालिया भवन में होली पर नृत्य करती हुईं महिलाएं।

आहलूवालिया भवन में धूमधाम से मनाई होली

सफीदों। नगर के आहलूवालिया भवन स्थित भाजपा कार्यालय में शुक्रवार को महिला मंडल द्वारा फाल्गुन महोत्सव के अवसर पर भजन कीर्तन व फूलों की होली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महिलाओं की भजन मंडली ने राधा कृष्ण के भजन, होली व फाग के गीत गाए गए। इस अवसर पर बतौर मुख्यातिथि भाजपा के राष्ट्रीय परिषद के सदस्य व हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के पूर्व सदस्य एडवोकेट विजयपाल सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ विजयपाल सिंह ने मातृ शक्ति द्वारा ही दीप प्र'वलित करवाकर किया। इस अवसर पर महिलाओं ने राधाकृष्ण की झांकी सजाकर महारास करके फाग महोत्सव का भी आयोजन किया गया। कृष्ण की सजाई गई झांकियों में महिलाओं ने अभिनय प्रस्तुत किया जिसमें विभिन्न भजनों पर महिलाएं झूम उठी। विजयपाल सिंह ने वहां उपस्थित मातृशक्ति को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि होली रंगों का त्योहार है। इसे सभी भाईचारे, प्रेम व उत्साहपूर्वक मनाएं व अपने बच्चों के जीवन मे ज्ञान-विज्ञान, अनुशासन व संस्कार का नया रंग भरने का संकल्प ले ताकि आगामी पीढ़ी का जीवन चेतना से भरा हो।

छात्रों ने धूमधाम से मनाई होली

जींद। जींद इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (जाइट) में होली पर्व धूमधाम से मनाया गया। उत्सव की शुरुआत रंगों की बौछार के साथ हुई, जब प्रतिभागियों ने एक-दूसरे को जीवंत रंगों से रंगा, हंसी और उत्साह फैलाया। परिसर रंगों के बहुरूपदर्शक में तब्दील हो गया। क्योंकि पारंपरिक पौषाक पहने छात्र जीवंत संगीत की धुन पर नृत्य कर रहे थे। जिससे उत्सव का माहौल बढ़ गया। जाइट ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के प्रबंध निदेशक अभिषेक बंसल ने कहा कि जाइट परिवार के बीच इस तरह के उत्साह और एकता को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने होली जैसे त्योहारों को मनाने के महत्व पर जोर दिया, जो न केवल सांस्कृतिक सद्भाव को बढ़ावा देते हैं बल्कि समुदाय के भीतर संबंधों को भी मजबूत करते हैं। इस कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति की समृद्ध विविधता को प्रदर्शित करने वाले पारंपरिक लोक नृत्य, गायन और नाटक सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रदर्शन शामिल थे।

महर्षि विद्या मंदिर स्कूल में मनाई होली

जींद। महर्षि विद्या मंदिर स्कूल में महर्षि विश्व शांति आंदोलन के तहत सहस्त्र देवी शीर्षा मंडल के सौजन्य से होली का त्योहार उमंग के साथ मनाया गया। पर्यावरण संरक्षण व जल बचाओ के भाव से ओतप्रोत इस आयोजन में बच्चों ने एक-दूसरे को तिलक लगते हुए व साथ ही धरती और आकाश के मध्य अतृप्त प्यार को मानवीय प्रेम से जोड़ते हुए काव्य प्रस्तुति दी तथा रसायन रहित और पानी रहित होली खेलने का प्रण लिया गया। इस अवसर पर विद्यालय की सहस्त्र देवी शीर्षा मंडल की सदस्य महिलाओं ने भी तिलक लगाते हुए होली की शुभकामनाएं दी व साथ ही समाज को रंगों की बजाय फूलों की होली खेलकर समाज को अलग तरह की होली खेलने को प्रेरित करते हुए अबीर और गुलाल लगा कर होली की शुभकामनाएं दी। स्कूल प्राचार्या अनीता शर्मा ने प्रचलित रसायन युक्त रंगों के दुष्प्रभावो से बचे रहने का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि यह पर्व एक-दूसरे को करीब लाता है और सामाजिक सद्भाव बढाता है।

जींद। कार्यकर्त्ताओं के संग होली मनाते एडवोकेट विजयपाल सिंह व चेयरमैन श्रवण गर्ग।

विजयपाल सिंह ने कार्यकर्ताओं के साथ मनाया पर्व

सफीदों। भाजपा राष्ट्रीय परिषद के सदस्य व हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के पूर्व सदस्य एडवोकेट विजयपाल सिंह कीअध्यक्षता में शनिवार को सफीदों शहर में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गौसेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण गर्ग विशेष तौर पर मौजूद रहे। विजयपाल सिंह ने कार्यक्रम में पहुंचे भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं को गुलाल लगाकर व मिठाई खिलाकर होली की बधाई दी। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ता डीजे की धून पर जमकर थिरके। अपने संबोधन में एडवोकेट विजयपाल सिंह ने कहा कि होली का पर्व आपसी सौहार्द एवं भाईचारा बढ़ाता है और नफरतों और बुराइयों को मिटाता है। इसलिए ईश्वर से यही प्रार्थना है की आप लोग एक दूसरे से सौहार्द बनाकर जनता के बीच में भाईचारा बढ़ाएं। गौसेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण गर्ग ने कहा कि होली आमोद-प्रमोद का त्योहार है। सभी को यह त्यौहार खुशी से मनाना चाहिए, बुराई का त्याग करके अच्छाई को अपनाना चाहिए। हमे पुष्प बनकर समाज को सुगंधित करना है। इस अवसर पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रणबीर बिटानी, बार एसो के प्रधान राजकुमार सैनी, नगरपालिका चेयरपर्सन प्रतिनिधि संजय बिट्टा, पालिका उपाध्यक्ष अखिल गुप्ता व नगर पार्षद कपिल मौजूद रहे।

जींद। हरियाणवी नृत्य प्रस्तुत करते हुए छात्राएं। फोटो :हरिभूमि

राजकीय महाविद्यालय में पूर्व छात्रा मिलन समारोह

जींद। राजकीय महिला महाविद्यालय में शनिवार को पूर्व छात्रा मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पूर्व छात्राओं का तिलक लगा कर स्वागत किया गया। प्राचार्य जयनारायण गहलावत द्वारा द्वीप प्र'जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना की प्रस्तुती दी गई। प्राचार्य डा. जयनारायण गहलावत ने सभी पुरातन छात्राओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि यहां आकर पूर्व छात्राओं की कई सालों पूरानी यादें ताजा हो जाती हैं। एलुमिनाई मीट पूर्व छात्राओं को एकमंच पर इकट्ठा होने का अवसर ही नहीं देता बल्कि भविष्य की रणीनतियां भी बनाने का अवसर देता है ताकि जो समस्याएं उनके समय आई थी, उनका सामना भविष्य में महाविद्यालय में आने वाले विद्यार्थियों को न करना पड़े। कार्यक्रम संयोजिका सपना ने कहा कि यह कार्यक्रम पूर्व छात्राओं के लिए एक-दूसरे के साथ फिर से जुड़ने, अपने अनुभव सांझा करने का सुनहरा अवसर है। मंच का संचालन डा. सोनल जैन एवं अनिता श्योकंद ने किया। तद्धुपरांत कुछ पूर्व छात्राओं ने कॉलेज के बारे में बेहतर जानकारियां दी व पढ़ाई के समय को यादगार बनाया।

पीएम नरेंद्र मोदी ने देश को बनाया ताकतवर

देश-प्रदेश में फिर बनेगी भाजपा की सरकार : पंवार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

पूर्व मंत्री एवं रा'यसभा सांसद कृष्ण पंवार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व मे भाजपा की फिर से सरकार बनेगी। हरियाणा में छठे चरण में 25 मई को लोस के लिए मतदान होने जा रहा है। आज देश हर क्षेत्र मे देश मजबूत है और सुरक्षित भी है। जिसके चलते देश की गिनती ताकतवर देशों में होती है।

सांसद कृष्ण पंवार शनिवार को भाजपा के जिला प्रधान राजू मोर के आवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा के देशभर में 18 करोड़ कार्यकर्ता हैं। पहले देश आर्थिक मामलों में 15वें नबर पर था। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विश्व में पांचवें स्थान पर है। भाजपा सरकार बनते ही 2024 में तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। पहले वैपन का आयात करते थे। आज मेड इन इंडिया 90 प्रतिशत वैपन हैं। पांच सौ साल बाद राम मंदिर बना है। धारा 370 को समाप्त कर नया इतिहास रच दिया है। जिस समय जम्मू-कश्मीर को धारा 370 के तहत विशेष दर्जा दिया जा रहा था। उस दौरान संविधान निर्माता बाबा भीमराव अंबेडकर तथा श्यामा मुखर्जी ने विरोध किया था। भाजपा ने महापुरूषों को हमेशा मान सम्मान दिया है। चाहे वह बाबा भीमराव अंबेडकर या फिर कपूरी ठाकुर या फिर चौधरी चरण हो, सभी को भारत रत्न दिया गया। किसानों को स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट का लाभ दिया गया। करोना काल में 80 करोड़ लोगों को राशन दिया गया। आज हालात यहां तक हैं कि विपक्ष कहीं पर भी भाजपा के सामने नही टिकता। भाजपा संगठन तय करता है। हरियाणा में साढे. नौ साल तक मनोहर लाल सीएम रहे।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

कहा कि राहुल गांधी की देश जोडो यात्रा नही बल्कि कांग्रेस जोडो यात्रा है। पहले दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल तथा कांग्रेस नेता भूपेंद्र हुड्डा ईडी को फेस करने की बात करते थे, अब करें ईडी को फेस। उन्होंने कहा कि आने वाले समय मे जीद का ओर 'यादा विकास होने जा रहा है। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष राजू मोर, विधायक डा. कृष्ण मिढा, जिला महामंत्री राज सैनी, भाजपा नेता जसमेर रजाना, सज्जन गर्ग, बबलू गोयल समेत काफी संख्या मे कार्यकर्ता मौजूद थे।

खबर संक्षेप

देवबन से बोलेरो पिकअप चोरी, केस दर्ज

कैथल। देबवन गांव से एक बोलेरो पिकअप गाड़ी चोरी हो गई। पुलिस ने गाड़ी के मालिक की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ चोरी का केस दर्ज कर लिया है। तितरम थाना में दी गई शिकायत में देबवन निवासी बलराज लेन बताया कि 22 मार्च को वह उसकी बोलेरो पिकअप गाड़ी से गांव मांडी से भैंस लेकर गांव देबवन में रात करीब नौ बजे लेकर आया था।

साजिश के तहत की गई केजरीवाल की गिरफ्तारी

गुहला-चीका। भाजपा के इशारे पर ई.डी. द्वारा केजरीवाल को शराब घोटाले से जोड़कर गिरफ्तार करने की कार्रवाई लोकतंत्र के फासीवाद में बदल जाने की ओर बढ़ाया गया कदम है। उक्त आरोप लगाते हुए आम आदमी पार्टी के जिला सचिव कुलभूषण शर्मा ने कहा कि यह कार्रवाई भाजपा द्वारा अपने को पाक साफ दिखाने की एक नाकाम कोशिश है।

स्वयंसेवकों को सूर्य नमस्कार व योग करवाया

कैथल। आरकेएसडी कॉलेज की एनएसएस टीम द्वारा शिविर के छठे दिन का शुभारंभ राजकीय प्राथमिक स्कूल शेरगढ़, कैथल में हुआ। इस शिविर की शुरूआत एन.एस.एस की प्रार्थना एवं गीत के साथ की गई। इसके बाद स्कूल के जी. एस. एस. स्कूल के अध्यापक हरदीप सिंह ने विद्यार्थियों को सूर्य नमस्कार व योग करवाया गया। इस शिविर का मुख्य थीम आत्मनिर्भर भारत विकसित भारत है।

लाइसेंस धारक जमा करवाएं अपना हथियार

कैथल। जिलाधीश प्रशांत पंवार ने कहा कि चुनाव की घोषणा होते ही आदर्श आचार संहिता लागू हो चुकी है, इसलिए सभी शस्त्र लाइसेंस धारक अपने शस्त्र अपने नजदीकी थाना या किसी भी वैध शस्त्र विक्रता के पास जमा करवाएं और उसकी रसीद भी प्राप्त करें। उन्होंने सभी एसडीएम, डीएसपी तथा संबंधित थाना प्रबंधकों को निर्देश जारी किए गए।

आदर्श वमावि में टैलेंट हंट परीक्षा करवाई

राजौंद। आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में टैलेंट हंट परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया। स्कूल प्रधानाचार्य ओमप्रकाश ने बताया कि टैलेंट हंट परीक्षा का आयोजन 10 मार्च को किया गया था। जिसमे लगभग 500 विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया था। संस्थान के प्रबंधक डॉक्टर देवेन्दर आर्या ने सेमिनार का संचालन किया और विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।

सादगी का दूसरा नाम है मुख्यमंत्री नायब सैनी

कैथल। भाजपा वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मुनीष कठवाड़ ने मुख्यमंत्री नायब सैनी से मुख्यमंत्री निवास पर मुलाकात कर उन्हें मुख्यमंत्री पद का कार्यभार संभालने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुनीष कठवाड़ ने कहा कि इस दौरान विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई और विशेष रूप से कैथल विस के विकास कार्यों को लेकर।

भाजपा बन बैठी पेपर लीक सरकारः सुरजेवाला

कैथल। हरियाणा की भाजपा सरकार ने पिछले 10 सालों में बच्चों व युवाओं के भविष्य को बेचने का काम किया है। लगातार हो रहे पेपर लीक इस बात का गवाह है कि भाजपा सरकार को युवाओं के भविष्य व अधिकारों से कोई सरोकार नहीं है। ये आरोप सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कैथल से प्रेस के माध्यम से विज्ञप्ति जारी करके भाजपा सरकार पर लगाए।

प्रचार सामग्री पर होनी चाहिए पब्लिशर की जानकारी

कैथल। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी प्रशांत पंवार ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत प्रचार प्रसार के लिए छपने वाली सामग्री पर प्रिंटिंग प्रेस व पब्लिशर की पूरी जानकारी होनी जरूरी है।

स्कूल प्राचार्या ने रंगों के त्योहार पर प्रकाश डाला

ध्रुव स्कूल पूंडरी के विद्यार्थियों ने हर्षोल्लास से मनाया होली उत्सव

हमें होली के उत्सव आपसी भाईचारे की भावना से आपसी मत-भेद भुलाकर मनाना चाहिए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

ध्रुव पब्लिक स्कूल फतेहपुर में होली उत्सव अति हषार्ेल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल प्राचार्या प्रवीन ढिल्लो ने की तथा सभी को रंगों का त्यौहार होली की हार्दिक बधाई दी। इस अवसर पर स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा कक्षा अनुसार होली के गीतों पर सामूहिक नृत्यों के माध्यम से खूब धूम मचाई एवं शिक्षक वर्ग की देख-रेख में एक दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली के त्यौहार को मनाया एवं खूब मस्ती की। होली के गीतों से पूरे स्कूल परिसर में आनंद का माहौल बना रहा। स्कूल प्राचार्या ने इस रंगों के त्यौहार पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें ये उत्सव आपसी भाईचारे की भावना से आपसी मत-भेद भुलाकर मनाना चाहिए। स्कूल संस्थापक मुकेश अहलुवालिया ने भी समस्त ध्रुव परिवार को होली उत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं दी और कहा कि इस तरह के आयोजनों से हमारी भारतीय संस्कृति पुनः जागृत हो उठती है। सभी ने इस रगों के उत्सव का भरपूर आनंद उठाया।

कैथल। कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति देते ध्रुव स्कूल पूंडरी के विद्यार्थी।

कैथल। राजौंद के पूंडरी चौंक पर स्थित दुकान में सजा होली का सामान।

राजौंद में होली पर्व को लेकर सजे बाजार

राजौंद। रंगों के त्यौहार होली को लेकर नगर में दुकानों पर रंग बिरंगी पिचकारियां व गुलाल हर किसी को अपनी और आकर्षित कर रहे है। 24 मार्च को होली व 25 मार्च को फाग का त्योहार है, जिसे लेकर बाजारों में जगह जगह गुलाल, पिचकारी, की दुकानें सजी हुई है। दुकान चाहे छोटी हो या बड़ी इन दिनों सभी होली के सामान से सराबोर नजर आ रही है। दुकानदारों ने बताया कि इस बार होली का प्रतीक पिचकारी भी जो आम प्लास्टिक या लोहे से बनी होती थी, इस बार विभिन्न आकारों में आ रही है। जो कि ग्राहकों को काफी आकर्षित कर रही है। दुकानदारों ने बताया कि पिछले कई दिनों वह खाली बैठे थे जैसे ही होली का पर्व नजदीक आया बच्चों में पिचकारी आदि खरीदने की होड़ लग गई।

परम ज्योति स्कूल में होली पर रंगारंग कार्यक्रम आयोजित

सीवन। परम ज्योति नर्सिंग स्कूल सीवन मे होली के शुभ अवसर पर होली का रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में ऐ एन एम और जी एन एम छात्राओं द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। बच्चों द्वारा विभिन्न गीतों पर नृत्य की प्रस्तुति भी दी गई। छात्राओं ने एक दूसरे को रंग लगा कर होली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर श्रीमान वेद प्रकाश मुंजाल ,श्रीमति पुष्पा मुंजाल और विक्रम मुंजाल ने अपना कीमती समय बच्चों के साथ बिताया।

कैथल। युवाओं को नशा न करने बारे जागरूक करते पुलिस कर्मचारी

पुलिस ने युवाओं को नशे के दुष्परिणामों बारे में बताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

शनिवार को पुलिस की जागरूकता टीम में शामिल एचसी सुनील कुमार द्वारा महादेव कालोनी कैथल, सिरटा रोड कैथल, खुराना रोड कैथल व पाडला रोड पर आमजन को नशे के प्रति जागरूक करने के साथ साथ इस अभियान को सफल बनाने में आमजन से सहयोग की अपील की है। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दौरान युवाओं सहित अन्य को बताया कि नशा करने वाला व्यक्ति खुद के साथ साथ अपने परिवार को भी बर्बाद कर देता है। मनुष्य के लिए नशे का सेवन किसी भी प्रकार से हितकारी नहीं है और नशे के कारण लाखों युवा जिंदगी खो चुके है और बहुत से परिवार बेघर हो गए है। नशे से शरीर व घर दोनो का नाश होता है। किसी को भी नशा नहीं करना चाहिए। युवाओं को खेल या अन्य गतिविधि में बेहतरीन कार्य करके अपने माता पिता, गांव समाज का नाम रोशन करना चाहिए। नशा मुक्त व अपराध मुक्त समाज की स्थापना के लिए हम सभी को मिलकर कदम उठाने होंगे। पुलिस मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई कर रही है। मगर लोगों में नशा के खिलाफ जागरूकता पैदा करने तथा इस अभियान की शत प्रतिशत सफलता के लिए जन सहयोग अति आवश्यक है। आमजन नशे से संबंधित कोई भी सूचना पुलिस को दे। सूचना देने वाले का नाम पता गुप्त रखा जाएगा।

शिव शंकर स्कूल कसान ने घोषित किया परीक्षा परिणाम

राजौंद। शिव शंकर स्कूल कसान में नर्सरी से 11वीं तक के बच्चों का परीक्षा परिणाम घोषित किया। प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार ने शानदार प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि नर्सरी से पांचवी तक बच्चों में हरप्रीत छवि जन्नत मानवी जतिन पुलकिता नवीन, सैम पुनीत, गिताशु ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस प्रकार छठी से 11वीं तक के बच्चों में लवी, यशवी, शालू, प्रीति, कोमल व तमन्ना ने प्रथम स्थान हासिल किया। उन्होंने कहा कि उनके प्रयास है कि इस क्षेत्र में शिक्षा की ऐसी पहल हो जिससे ग्रामीण परिवेश के बच्चे भी बड़े बड़े शहरों से शिक्षा लेने वाले बच्चों का मुकाबला कर सके।

शहीदी दिवस पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

कैथल। रोहेड़ा स्कूल में आयोजित प्रश्नोत्तरी के दौरान मौजूद विद्यार्थी व स्कूल में होली खेलते हुए विद्यार्थी। फोटोः हरिभूमि

गौरव स्कूल रोहेड़ा में शहीदी दिवस के उपलक्ष में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल के चारों सदनों के बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। स्कूल के प्रधानाचार्य दर्शन सिंह मौण ने बताया कि शहीदी दिवस के उपलक्ष में आयोजित प्रश्नोत्तरी परीक्षा में शहीदे आजम भगत सिंह सदन से अक्षिता, अंजलि व विराट ने प्रथम स्थान हासिल किया। इसी कड़ी में सुभाष चंद्र बोस सदन के बच्चों ने द्वितीय स्थान और चंद्रशेखर आजाद सदन के बच्चों ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उन्होंने बच्चों को शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव की जीवनी बताते हुए देश को आजाद कराने में उनके योगदान व कुर्बानियों के बारे में बताया। इसके अलावा उन्होंने सभी को होली के त्यौहार की शुभकामनाएं देते हुए सभी बच्चों को मिल जुल कर इस पावन त्यौहार को मनाने का संदेश दिया। उसके बाद महिला स्टाफ सदस्यों व छात्राओं ने तथा पुरुष स्टाफ सदस्यों व छात्रों ने एक दूसरे को रंग लगाया और होली की बधाई दी। इस दौरान स्टाफ सदस्य जयपाल, जोगिंद्र, बलविंदर, रमन, राहुल, कुलदीप, सुखबीर, राजेश, सुरेंद्र, विजय, ममता, कीर्ति, ज्योति, सुनीता, आशा, मोनिका, मधु,कविता, सुमन, रीतु और नीतू स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

शत प्रतिशत रहा पवनार पब्लिक स्कूल कैथल का परीक्षा परिणाम

कैथल। पवनार पब्लिक स्कूल कैथल में वार्षिक परिणाम उत्सव मनाया गया। प्रधानाचार्य जोगिंदर ढूल ने दादा जी गुरु भगवान को नमन करते हुए अभिभावकों का अभिनंदन किया। ढूल ने मेरिट में आए 387 विद्यार्थियों को मोमेंटो देकर अभिभावकों को बधाई दी। माता-पिता के सहयोग से गुरूजन बच्चों का चौमुखी विकास कर हीरे की तरह चमकाते हैं। 100% अंक लेने वालों में गौरवी, दृष्टि, संजना व मयंक तथा 99 प्रतिशत अंक लेने वालों में राखी, भाविका, हंस, अयान, शुभम, रितेश मलिक, सिमरन, दीपिका तथा दिया अपनी-अपनी कक्षाओं में प्रथम रहे।

कोहिनूर एकेडमी के छात्रों ने दी शहीद भगत सिंह व साथियों को श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गुहला-चीका

गुहला-चीका । शहीद भगत सिंह को याद करते कोहिनूर एकेडमी के विद्यार्थी

शहीदी दिवस के अवसर पर टटियाना स्थित कोहिनूर इंटरनेशनल एकेडमी के प्रांगण में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत बच्चों को भाषण द्वारा शहीद भगत सिंह के जीवन वृत्तांत से परिचित करवाते हुए उनके बचपन से ही क्रांतिकारी विचारों, देशभक्ति, आत्मसमर्पण व बलिदान से परिचित करवाया गया। तदुपरांत उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए बच्चों ने एकल व समूह गायन, गीत व कविता पाठ किए । उनके जीवन व देशभक्ति से प्रेरित बच्चे भक्त सिंह की वेशभूषा में आए तथा सारा प्रांगण इंकलाब जिंदाबाद के नारों से गुंजायमान हो उठा। अवसर पर उपस्थित एकेडमी की प्रधानाचार्या कंवलजीत कौर बाजवा व चेयरपर्सन डॉ सुखविंदर कौर ने बच्चों की प्रस्तुतियों की भूरि-भूरि प्रशंसा की व उन्हें शहीदों के जीवन से प्रेरित होते हुए उनके दिखाए मार्ग पर चलने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि जिस स्वर्णिम भारत का सपना हमें अथक प्रयास करते हुए अपने बलिदान से पीछे नहीं हटना चाहिए।

क्रिकेट प्रतियोगिता में गांव मांडी की टीम ने लोधर को 49 रन से हराया

कलायत । गांव शिमला में पांच दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता संपन्न हो गई। मिलाप कल्ब द्वारा आयोजित प्रतियोगिता के फाइनल मैच में गांव मांडी की टीम ने लोधर को 49 रन से हराया। विजेता टीम को नकद इनाम व सम्मान चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मुख्य व विशिष्ठ मेहमानों की श्रृंखला में समाज सेवी सियाराम शिमला, ब्लाक समिति चेयरपर्सन प्रतिनिधि नरेंद्र धानियां, संदीप मोर, नरेंद्र जुलानी खेड़ा और अन्य गणमान्य लोग शामिल रहे। इस अवसर पर जिले सिंह मोर, धर्मबीर सिंह, जोरा सिंह, कृष्ण, भाना राम, राजबीर सिंह, छोटा राम, बदन सिंह, जसबीर, सतीश कुमार, राम मेहर, दिलबाग, सुभाष, पीयूष मोर, मनप्रीत सिंह आदि मौजूद रहे।

प्रतियोगिता से बच्चों के अन्दर छुपी प्रतिभा निखरने में मिलती हैं मदद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गुहला-चीका

गुहला-चीका । सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान राधा कृष्ण की झांकी प्रस्तुत करते बच्चे।

प्रमुख समाजसेवी डाक्टर अशोक भाठला ने कहा कि स्कूलों में विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों के अन्दर छुपी प्रतिभा को निखारकर बाहर निकाला जा सकता है और यह कार्य एक अध्यापक ही बेहतरीन ढंग से कर सकता है। डा. भाठला टोडलर टाउन प्री स्कूल के वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में बतौर मुख्यातिथि उपस्थित लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज के कम्प्यूटरीकृत एवं वैज्ञानिक युग में बच्चों को शुरू से ही आधुनिक शिक्षा देने की जरूरत है क्योंकि 21वीं शताब्दी में जिस प्रकार से शिक्षा का सारा ढांचा चूल अमूल बदल रहा है, उससे यदि बच्चे शुरू से ही शिक्षा के माहौल में रच जाएंगे तो फिर उन्हें आगे जाकर किसी प्रकार की कोई परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। डाक्टर भाठला ने स्कूल प्रबंधकों को यह सुझाव भी दिया कि वे स्कूलों में हिन्दी व अंग्रेजी भाषा के साथ-साथ अन्य विदेशी भाषाएं भी बच्चों को सिखाएं क्योंकि जिस प्रकार से विद्यार्थियों में विदेश जाने का क्रेज बढ़ रहा है तो ऐसे में यदि उन्हें अन्य भाषाओं का भी ज्ञान होगा तो उन्हें विदेश जाकर उच्च शिक्षा ग्रहण करने व नौकरी करने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। भाठला ने कहा कि स्कूल संचालक पढ़ाई के साथ साथ बच्चों को खेलों की तरफ भी लेकर जाएं ताकि जहां उनका स्वास्थ्य ठीक रहे।

कलायत। अनाज मंडी में दो खेमों द्वारा अलग-अलग चुने गए प्रधान व उप प्रधान

अनाज मंडी में आढ़ती एसो चुनाव में नहीं बनी सहमति

कलायत। अनाज मंडी में आढ़ती एसोसिएशन चुनाव में नहीं बनी सहमति दो खेमों में विभाजित होकर आढ़तियों ने चुने अलग-अलग प्रधान और उप प्रधान
कलायत। कलायत अनाज मंडी में आखिरकार व्यापारियों ने आढ़ती एसोसिएशन चुनाव को लेकर समहति नहीं बन पाई। इसके चलते अलग-अलग खेमों में विभाजित होकर व्यापारियों ने अपनी पंसद के अलग-अलग दो प्रधान व दो उप प्रधान चुने। एक खेमे ने सुरेंद्र दूंढवा को प्रधान व प्रमोद कंसल को उप प्रधान चुना। जबकि दूसरे ने सोहन लाल मटौर को प्रधान व पवन कौलेखां को उप प्रधान चुना। करीब 50 वर्ष पहले आस्तित्व में आई मंडी में काफी लंबे समय बाद ये स्थिति बनी। अधिकांश बार जहां सर्व सम्मति से प्रधान चुने गए वहीं एक दौर दो प्रधान चुनने का भी रहा। दीगर है कि एसोसिएशन का चुनाव प्रष्ठिान का प्रश्न बनकर सामने आया। बैठकों का सिलसिला चलने के बाद भी सर्व सम्मति नहीं हो पाई।

कैथल। शहीदी दिवस मनाते पूर्व सैनक

पूर्व सैनिकों ने मनाया शहीदी दिवस

कैथल । पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन कैथल के पुर्व सैनिकों ने मिलकर शहर में नर्वानिया बिल्डिंग के साथ में शहीद ए आजम भगत सिंह के स्मारक पर श्रद्धांजलि दी और उसके बाद में सभी ने हरियाणा शहीद स्मारक पार्क रोड कैथल पर हमारी राष्ट्र सेवा में हंसते-हंसते अपनी जान निछावर करने वाले महान देश भगत शहीदे ए आजम भगत सिंह राजगुरु सुखदेव का शहीदी दिवस मनाया गया ।इसकी शुरूआत एसोसिएशन प्रधान जगजीत फौजी ने शहीदों के ऊपर यह कहते हुए की जो अब तक ना खोल वह खून नहीं पानी है ,जो देश के काम ना आए ,वह बेकार जवानी है। इन शब्दों के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की और उपस्थित सभी साथियों ने पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी और बताया कि शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर वर्ष मिले वतन पर मरने वालों का यही बाकी निशा होगा इस कहावत को हम पूरा करते रहेंगे हर वर्ष इसी प्रकार से हम अपने शहीदों की बरसी मनाते रहेंगे और इसके बाद में कैप्टन ईशम सिंह, कैप्टन नर सिंह ढूल और कैप्तान बलजीत मोर ने शहीदों पर अपने विचार रखें।

दि इंडियन हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थी छाए

एसओएफ मैथमैटिक्स स्पर्धा में जीते 21 गोल्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गुहला-चीका

चीका स्थित दि इंडियन हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने एस.ओ.एफ. (साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन) द्वारा आयोजित परीक्षा में 21 गोल्ड मेडल प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। मैथमैटिक्स ओलंपियाड स्कूल कोऑर्डिनटर अंकित ने बताया कि दिसम्बर माह के दौरान हुई अंतर्राष्ट्रीय मैथमैटिक्स ओलंपियाड 2023-2024 प्रतियोगिता में विद्यालय के 21 बच्चों को गोल्ड मेडल और सर्टिफिकेट मिला है। इससे पूरे विद्यालय में खुशी का माहौल है। स्कूल में विजेता छात्रगण आदित , आरूष जिंदल, धृति शर्मा, जश्नप्रीत कौर, कियारा, यशिका गर्ग, आदविक , उर्वशी सिंहमार, नवरीत कौर, निविध , मनवीर पूनियां, मेहान शर्मा, ताशी , विश्वास बंसल, जश्न सीड़ा, नैतिक, मुकुल भारद्वाज, मनन कुमार सिंगला, यशदीप, कविश और धैर्य को स्कूल प्रधानाचार्या हरप्रीत कौर ने गोल्ड मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

गुहला-चीका । जिता विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए स्कूल प्रधानाचार्या हरप्रीत कौर।

गोल्ड मेडल मिलना बड़ी बात

छात्र निविध , ताशी , विश्वास बंसल, मनन कुमार सिंगला और धैर्य को एस.ओ.एफ. के अगले स्तर की परीक्षा के लिए चयनित किया गया है। उन्होंने बताया कि ओलंपियाड परीक्षा में कार्यरत अध्यापकगण हरप्रीत कौर, रूपल रानी, अंकित एवं शम्मी को एप्रीसिएशन सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। प्रधानाचार्या हरप्रीत कौर ने बताया कि गोल्ड मेडल मिलने से पूरे विद्यालय गौरवान्वित हुआ है। उन्होंनें अपने संबोधन में विद्यार्थियों से भविष्य में ओर अधिक उत्साह एवं लगन के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर स्कूल स्टाफ सदस्य एवं अन्य कई गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

ट्रक चालक तथा क्लीनर ने किया हमला,केस दर्ज

जींद। गांव उझाना के निकट बीती रात ट्रक चालक तथा क्लीनर ने दूसरे गाड़ी चालक पर रॉडों से हमला कर घायल कर दिया। जिसमें गाड़ी चालक को काफी चोटें आई। गढ़ी थाना पुलिस ने घायल की शिकायत पर अज्ञात ट्रक चालक तथा क्लीनर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मकान का ताला तोड़कर आभूषण और नकदी चोरी

जींद। चोरों ने अलग-अलग दो स्थानों पर ताले तोड़ कर सोना व चांदी के जेवरात, नगदी समेत अन्य समान को चोरी कर लिया। संबंधित थाना पुलिस ने शिकायतों के आधार पर चोरी के मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव भौंगरा निवासी रामकुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात चोरों ने मकान का ताला तोड़ कर साढे.11 तोले सोने के जेवरात, चांदी के गहने तथा 50 हजार रुपये की नगदी को चोरी कर लिया।

एक दिवसीय एनएसएस शिविर का आयोजन

सफीदों। नगर के सरला मेमोरियल राजकीय कन्या महाविद्यालय में शहीदी दिवस के अवसर पर एक दिवसीय एनएसएस शिवर का आयोजन किया गया। प्रातःकालीन सत्र में छात्राओं द्वारा योगाभ्यास और कॉलेज प्रांगण में श्रमदान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एनएसएस प्रभारी सीमा गुप्ता ने की। उसके उपरांत वक्ता सीमा चहल ने पर्सनैलिटी डेवलपमेंट विषय पर छात्राओं को अपना उद्बोधन दिया तथा उन्हे अनुशासित रहने के प्रति प्रेरित किया।

शहीदी दिवस पर 115 लोगों ने किया रक्तदान

सफीदों। शहीदी दिवस पर गुरु नानक संघ सेवा समिति द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर अतिथि भाजपा नेता विजय सैनी, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजकुमार सैनी, भाविप अध्यक्ष डा. नरेश वर्मा, पूर्व बार एसोसिएशन अध्यक्ष रमेश भारद्वाज, समाजसेवी अशोक गर्ग ने शिरकत की। शिविर में 115 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया गया। समिति अध्यक्ष श्याम स्वामी ने आए हुए अतिथियों का बूके देकर अभिनंदन किया। इस मौके पर शन्नो देवी अवार्ड से कुमारी गीतांजलि कंसल, नीलम रानी व बबीता देवी खेड़ा खेमावती को सम्मानित किया गया।

20 जगह लगाए नाके, शरारती तत्वों पर रहेगी विशेष निगाह

होली पर्व को लेकर पुलिस मस्तैदः पर्व को शांतिपूर्वक मनाएंः एसपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार ने कहा कि होली के इस खास अवसर पर आपसी भाईचारा बनाएं रखें और इस पर्व को शांतिपूर्वक व सुरक्षित तरीके से मनाएं। इसी के साथ कहा कि शरारती तत्वों व आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने वालों के लिए कड़ी चेतावनी है कि वे किसी भी प्रकार की शरारत, हुल्लड़बाजी एवं आपराधिक गतिविधि ना करें और निगरानी हेतु संवेदनशील इलाकों पर पुलिस की विशेष नाकाबंदी व ड्यूटी तैनात रहेगी। इस दौरान सभी क्षेत्र में पुलिस की मौजूदगी रहेगी और पुलिस की राइडर तथा पैदल गस्त पार्टी भी गशत करते हुए मौजूद रहेगी। इस खास अवसर पर किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि पाई जानें पर सख्त कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि धुल्हंडी के दिन कानून व्यवस्था की स्थिति से निपटने के लिए जिला में प्रभावी रूप से नाकाबंदी व गश्त की जाएगी। जिला में अलग-अलग स्थानों को चिन्हित करते हुए 20 जगहों पर नाकाबंदी की जाएगी। प्रत्येक नाका पर सात जवान तैनात रहेंगे व 46 राइडर गश्त करेंगी। जिले की सभी क्राईम युनिट भी पूरे जिले में गश्त करेंगी। प्रत्येक थाना प्रभारी के साथ एक-एक डयूटी मजिस्ट्रेट लगाया गया है। होली के अवसर पर किसी ऐसे पदार्थ का इस्तेमाल ना करे जिससे किसी व्यक्ति को हानि पहुंचे। अगर आपको किसी प्रकार की संदिग्ध सूचना या कोई आपराधिक गतिविधि होती है तो तुरंत नजदीकी पुलिस चौकी या डायल 112 को सूचित करें।

भाईचारे के साथ मनाएं होली : एसपी

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि होली के इस अवसर को शांतिपूर्वक तरीके से व सुरक्षित मनाएं। होली की इस पावन अवसर ट्रैफिक नियमों की पालना करें। सावधानी में सुरक्षा है। शराब पीकर वाहन न चलाएं, मोटर साइकिल चालक बिना हेलमेट व ट्रिपलिंग राइडिंग आदि न करें, हुड़दंग न मचाएं और कानून व्यवस्था को बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें। लड़कियों, महिलाओं साथ अभद्र व्यवहार न करें। समाज के मौजिज व गणमान्य व्यक्तियों से अनुरोध है कि युवा पीढ़ी को त्यौहार के अवसर पर हुड़दंगबाजी करने बारे प्रेरित करें। उन्होंने नागरिकों से रंगों के त्यौहार को मनाते समय दूसरों की भावनाओं का सम्मान करने और उनकी संवेदनशीलता को ठेस न पहुंचाने की भी अपील की है। किसी प्रकार के कानून की उल्लंघना ना करे और शांतिपूर्वक होकर आपसी भाईचारे का साथ होली का त्यौहार मनाएं।

पर्व पर हुडदंग करने वालो पर होगी कड़ी कार्रवाई : उपासना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

एसपी उपासना ने कहा कि होली-फाग रंगों का अनूठा भारतीय त्यौहार है जो एकता और भाईचारे के बंधन को मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है। त्यौहार लोगों के जीवन में रंग भरने के साथ-साथ सभी को समाज में सद्भाव से रहने के लिए प्रेरित करता है। जाति और पंथ के निमन विचारों से ऊपर उठकर एकता व भाईचारे की भावना के साथ इस पर्व को मनाएं। उन्होंने रंगों का त्योहार मनाते समय दूसरों की भावनाओं का सम्मान करने और उनकी संवेदनशीलता को ठेस न पहुंचाने की भी अपील की। कहा कि त्योहार की आड़ में उपद्रव जैसी घटनाओं को अंजाम देने का प्रयास करने वाले असामाजिक तत्वों के साथ कोई रियायत ना बरतते कडाई के साथ निपटा जाएगा। इस त्यौहार पर बडी संख्या में शराब पीकर गाडी चलाने के कारण दुर्घटना के मामले सामने आते रहे हैं, जिससे आनंद और खुशी का यह दिन कई परिवारों के लिए त्रासदी में तब्दील हो जाता है। एसपी ने मॉडिफाइड साइलेंसर वाली बुलेट बाइक द्वारा पटाखे की आवाजें निकालकर क्षेत्र में दहशत पैदा करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ नियम के अनुसार कड़ी कार्रवाई अमल में लाने के आदेश दिए गए है।

जींदः पुलिस ने 98 वाहन चालकों के काटे चालान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

चालान करते ट्रैफिक पुलिसकर्मी।

जिला पुलिस जींद द्वारा शनिवार को पुलिस महानिरीक्षक यातायात एवं हाईवे हरियाणा हरदीप सिंह दून के आदेशानुसार व एसपी जींद सुमित कुमार के नेतृत्व में जिला पुलिस जींद द्वारा सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने व यातायात को हादसों से बचाने के लिए गलत लेन में वाहन चलाने वाले वाहन चालकों के खिलाफ अभियान चलाया। इसके तहत लाइन चेंज के 98 चालकों के चालान काटे गए।

प्रबंधक अफसर थाना यातायात जींद इंस्पेक्टर शमशेर सिंह ने बताया कि एसपी सुमित कुमार द्वारा सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करनेए वाहनों के सुचारू रूप से आवागमन के लिये भारी वाहनों के लिए लेन ड्राइविंग बाई लेन निर्धारित करने व बाई लेन में चलने के लिए चालकों को जागरूक कर आवश्यक कारवाई करने के लिए पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को दिशा निर्देश दिए गए हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में मृत मिला युवक

जींद। रोहतक रोड पर एक युवक बाइक पर संदिग्ध अवस्था में मिला। सूचना मिलने पर शहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और उसे नागरिक अस्पताल में पहुंचाया। चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के पास कोई कागजात नहीं मिला है, जिससे शिनाख्त हो सके। शिनाख्त के लिए शव को नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया है। शहर के रोहतक रोड पर शनिवार सुबह लोगों ने बाइक पर एक युवक को संदिग्ध अवस्था में पड़े देखा। लोगों ने इसकी सूचना शहर थाना पुलिस को दी। पुलिस ने तुरंत युवक को अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

छह अनाजमंडियों में होगी सरसों की खरीद, प्रशासन तैयारियों में जुटा

जिले में 36 अनाजमंडियों व खरीद केंद्रों पर खरीदा जाएगा पीला सोना

गेहूं खरीद से पहले मंडी में शेड का निर्माण पूरा करने का प्रयास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिले में सरसों व गेहूं की खरीद को लेकर अनाज मंडिया अलॉट कर दी गई हैं। जिले में 36 अनाज मंडियों व खरीद केंद्रों पर गेहूं की खरीद की जाएगी। इसमें हैफेड, एफसीआई, वेयर हाउस कारपोरेशन गेहूं की खरीद करेंगी। इन खरीद एजेंसियों को गेहूं खरीदने के लिए अलग-अलग मंडियों में अलग-अलग दिन निर्धारित किए गए हैं। एक अप्रैल से गेहूं की खरीद होनी है। इसके अलावा 26 मार्च से सरसों की खरीद को लेकर जिले में सात अनाज मंडियां निर्धारित की गई हैं। प्रशासन की तरफ से मार्केट कमेटी सचिवों को मंडी में हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध करवाने के निर्देश जारी किए गए हैं। इस समय जिले में गेहूं कटाई में अभी थोड़ा सा समय और लेगा। गेहूं की कटाई एक अप्रैल के बाद ही शुरू होगी। इस समय खेतों में सरसों की कटाई का कार्य चला हुआ है लेकिन मंडी में सरसों की सरकारी खरीद नहीं हो रही है। सरसों का एमएसपी 5656 रुपये तय किया है लेकिन इस समय जो सरसों मंडी में आ रही है, उसको निजी खरीददार व मिल मालिक पांच हजार के आसपास खरीद रहे हैं। ऐसे में किसानों को साढ़े 600 रुपये का घाटा हो रहा है। अनाज मंडियों में सरसों की सरकारी खरीद हैफेड द्वारा की जाएगी। 26 मार्च के बाद मंडी में आने वाली सरसों को एमएसपी पर खरीदा जाएगा। मंडियों में फिलहाल बारदाना भी नहीं पहुंचा है।

जींद। अनाजमंडी में चल रहा शेड का निर्माण कार्य। *फोटो :हरिभूमि*

इन अनाजमंडियों व खरीद केंद्रों पर होगी गेहूं की खरीदः जिले के ऐंचरा कलां, अलेवा, बेलरखां, छात्तर, दनौदा कलां, ढाठरथ, धमतान साहिब, धनौरी, डिडवाड़ा, फरैण कलां, फतेहगढ़, गढ़ी, घोघड़ियां, हाट, जींद, जुलाना, काब्रछा, खरकरामजी, खरल, लुदाना, मांगलपुर, मनोहपुर, मुआना, नगूरां, नरवाना, पिल्लूखेड़ा, राजपुरा, सफीदों, शामलो कलां, सिवानामाल, सुदकैन खुर्द, उचाना, उझाना, भंभेवा तथा धनखड़ी में गेहूं की खरीद की जाएगी। अलग-अलग एजेंसियां अलग-अलग दिन गेहूं की खरीद करेंगी।

यहां होगी सरसों की खरीदः जिले में सात अनाज मंडियों जींद, उचाना, जुलाना, नरवाना, सफीदों, पिल्लूखेड़ा तथा अलेवा में 26 मार्च से सरसों की खरीद की जाएगी। सरसों की खरीद हैफेड द्वारा की जाएगी। इन अनाज मंडियों में सरकारी दुकानें निर्धारित की गई हैं जहां सरसों की खरीद की जाएगी। जिन किसानों ने मेरी फसल मेरा ब्यौरा पर अपनी फसल का रजिस्ट्रेशन करवाया है, उनकी सरसों ही खरीदी जाएगी।

किसानों को नही आने दी जाएगी कोई परेशानी : संजीव कुमारः मार्केट कमेटी सचिव संजीव ने बताया कि मंडी में सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया जा रहा है। कमी होगी तो एक-दो दिन में पूरी करवा दी जाएगी। अनाज मंडी की सफाई करवा दी गई है। किसानों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था भी कर दी गई है।

कार से 4.150 किलोग्राम चरस बरामद, एक तस्कर दबोचा

- हिमाचल से कार में तस्करी कर लाई जा रही थी चरस, पूछताछ जारी

जींद। सीआइए स्टाफ ने गांव गांगोली से भागखेड़ा रोड पर कार सवार युवक को काबू कर कब्जे से चार किलो 150 ग्राम चरस बरामद की है। चरस को हिमाचल प्रदेश से कार में तस्करी कर लाया जा रहा था। पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने पकडे.कार सवार के खिलाफ नशीले पदार्थ निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीआईए स्टाफ को सूचना मिली थी कि गांव भागखेड़ा निवासी हरिकेश नशीले पदार्थों की तस्करी करता है और वह गांव तथा आसपास गांव में नशा बेचता है। वह हिमाचल से कार में नशा तस्करी कर गांव की तरफ आने वाला है। जिसके आधार पर सीआईए स्टाफ गांगोली-भागखेड़ा रोड पर निर्माणाधीन जम्मू-कटरा हाइवे के साथ नाकाबंदी कर नजर रखनी शुरू कर दी। पुलिसकर्मियों ने कार की तलाशी ली तो सीट के नीचे पॉलीथिन में पदार्थ मिला।

रोडवेज बस व वेगनआर की भिंड़त में महिला की मौत, तीन गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद-पटियाला नेशनल हाइवे पर गांव डूमरखां के निकट शनिवार को रोडवेज बस व वेगनआर कार के बीच भिड़ंत हो गई। जिसमें एक महिला की मौत हो गई जबकि तीन लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने पर सदर थाना नरवाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में ले नागरिक अस्पताल के शव गृह में रखवा दिया है। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि वैगनआर कार के परखच्चे उड गए जबकि रोडवेज बस भी सड़क किनारे झाडियों में जा गिरी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रोडवेज बस नरवाना से गांव छात्तर की तरफ जा रही थी। गांव डूमरखां के निकट नेशनल हाइवे जींद-पटियाला मार्ग पर बस तथा वेगनआर कार के बीच भिडंत हो गई। जिसमें कार चालक गांव खरकपूनिया निवासी महिला की मौत हो गई जबकि उसका पति जगबीर व बस में सवार गांव मखंड निवासी कृष्णा देवी व दर्शना देवी घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को उपचार के लिए उचाना तथा नरवाना के नागरिक अस्पतालों में पहुंचाया। चिकित्सकों ने जगबीर की हालत गंभीर देख पीजीआईएमएस रोहतक रेफर कर दिया है। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना नरवाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतका के शव को कब्जे में ले नागरिक अस्पताल के शव गृह में रखवाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तन रंग लें-मन रंग लें
जीवन सतरंगी कर लें

जीवन में अगर रंग न हों तो सब कितना बेरंग-नीरस लगेगा। जीवन में रंगों की महत्ता को रेखांकित करने के लिए ही हमारे देश-समाज में पौराणिक काल से ही रंग पर्व मनाने की परंपरा चली आ रही है। यह पर्व हमें प्रेम, स्नेह और अपनेपन के रंग में रंग देता है। जीवन को सतरंगी बनाता है।

पर्व-निहितार्थ / डॉ. मोनिका शर्मा

रंग सदा जीवन के संग चलते हैं। अवसरों के अनुसार विशेष छटा के साथ बिखरते हैं। कभी रंगों की चटक, उसकी आभा मन में उत्साह भरती है तो कभी फीकापन सुकून देता है। मन-जीवन की हर निखार-संवार में रंग अपनी उपस्थिति रखते हैं। उम्र के हर पड़ाव पर अपनी आभा संग ये रंग अलग-अलग अनुभूतियों से मिलवाते हैं। रिश्तों के हर मोड़ पर विशेष ढंग से मन को प्रभावित करते हैं। होली, रंगों की यही छटा हर ओर बिखरने का पर्व है। इस सतरंगी उत्सव पर जीवन से जुड़े रंग और रंगों में रचा-बसा जीवन का ताना-बाना स्मरण हो आता है। कुछ बीते हुए पल और थोड़ी-सी आज की हलचल, सतरंगी आभा से जीवन को सजा देती है।

बरकरार है नेह का भाव-चाव

हर औपचारिकता से परे यह पर्व लोगों को साथ और स्नेह की डोर से बांधता है। उड़ते गुलाल और फगुनाहट की धुन में बदला हाल-चाल भारतीय जनमानस को एक-दूजे से जोड़ता रहा है। नेह के भाव-चाव का यह उत्सव रिश्तों पर रीझने का प्यारा अवसर होता है। लोकगीतों में ध्वनित होते जमीनी जुड़ाव की धुन सुनने-सुनाने का मौका बन जाता है। भारत की पावन धरा पर तो ईश्वरीय अवतारों ने भी उत्सव की इस रंगीन छटा को आम मनुष्यों के समान ही जीया है। पौराणिक कथाएं, हमारे आराध्य भगवान कृष्ण, शिव और भगवान राम सभी के होली खेलने का वर्णन लिए हैं। ब्रजभूमि पर राधा-कृष्ण और गोपियों की ठिठोली के संग होली खेलने और काशी के मणिकर्णिका घाट पर शिवजी के श्मशान में होली खेलने की बात भी शामिल है। वहीं अवध में प्रभु राम और सीता माता के होली खेलने का भी उल्लेख है। सोचिए कि वृंदावन में गोपियों ने अपनी झोली से कृष्ण पर अबीर उड़ेल कर हंसते-खिलखिलाते हुए कितने नेह संग कहा होगा, *'लला फिर आइयो खेलन होरी।'*
या राग-रंग में घुला यह भाव देखिए
ए केकरे हाथ कनक पिचकारी ए केकरे हाथे अबीरा/ अवध में होली खेले रघुबीरा।
नेह के इसी भाव-चाव को तब से अब तक भारत का जनमानस हर वर्ष जीवंत भाव संग जीता है।

साझी संस्कृति का उत्सव

होली का पर्व, हर उम्र के लोगों के लिए उत्सवीय धुन की आहट की तरह होता है। खान-पान से लेकर मस्ती और मेल-जोल तक। बच्चे-बड़े, महिला, पुरुष सब इस साझे सुख को जीते हैं। ठंडाई, गुझिया, खीर, पूड़ी, कचौड़ी और दही-बड़े का स्वाद अपनी रसोई की ओर ले जाता है तो गुलाल उड़ाने की मस्ती आंगन में खींच लाती है। रिश्तों पर रीझने और अंजान लोगों को भी रंग डालने की रीत का मानवीय मेल इसे साझी संस्कृति का पर्व बनाता है। झांझ-मंजीरे और ढोलक की थाप के साथ गूंजते स्थानीय गीतों से इस पर्व पर लोक का स्वर मुखर होता है। हंसाने-हंसाने नाचने-गाने की एक अनगढ़ थिरकन मन मोहती है। होली पर ब्रजभूमि की गोपियां भी याद आती हैं और राधा-कृष्ण भी। होली पर अबीर उड़ाते रघुवीर भी स्मरण हो आते हैं। गहरे रंगों से रंगे-पुते चेहरों का आपसी मेल-जोल मानवीय संवेदनाओं को उजला बनाता है। आदिम उल्लास का यह पर्व असल में आत्मीय जुड़ाव की अनौपचारिक खनक साथ लाता है। गांव की चौपाल से जुड़ी स्मृतियां आज महानगरों में बसी बड़ी हुई पीढ़ी के मन में दस्तक देने लगती हैं।

परंपरा की अनौपचारिक खनक

देश के हर हिस्से में फाग की मस्ती और हंसी-ठिठोली विशेष रंग लिए होती है। यह धमक मन की थिरकन है। कहीं कृष्ण भक्ति के रस में डूबे लोग तो कहीं अपने आराध्य के चरणों में गुलाल लगाने की परंपरा। कहीं कानों से टकराती चंग की थाप की मादकता तो कहीं टपकता महुआ। एक तरफ खेतों में पकती गेहूं की बालियां तो दूसरी तरफ बौर से लदकर झुक आए आमों के पेड़। पूरी प्रकृति इस उत्सवीय छटा को जीती नजर आती है। वहीं होली के इस पर्व पर इंसानों के भाव-चाव भी बहुत मुखर होते हैं। कहीं कोई औपचारिकता नहीं। दिखता है तो बस अपनेपन से भरा राग-रंग और सामुदायिक जुड़ाव की धुन। तभी तो होली आध्यात्मिक-सामाजिक भावों से जुड़ी खुशियों को जीते हुए उदारता और सहिष्णुता सिखाने वाला उत्सव है। हर उम्र, हर समुदाय के लोगों को ऊर्जावान और जीवंत बने रहने का संदेश देता है। इसीलिए तो जीवन को सरस-सुंदर बनाने वाला यह रंगपर्व, भारतीय संस्कृति की सबसे प्यारी उत्सवीय परंपराओं में से एक है।

तो आइए इस रंगोत्सव पर एक बार फिर हम सब प्रेम और अपनेपन के रंगों से एक-दूसरे को सराबोर कर लें, जीवन को इंद्रधनुषी रंगों से सजा लें। *

होली के दोहे / डॉ. शरद नारायण खरे

रंगों के संग खेलती, एक नवल-सी आस।
मन में पलने लग गया, फिर नेहिल विश्वास।।
कुंजन, क्यारिन रौनकें, अवसादों का अंत।
अनुरागी की बात क्या, तोड़ रहे तप संत।।
बौराया-सा लग रहा, देखो तो मधुमास।
प्रीति-प्रणय के भाव का, है हर दिल में वास।।
भली लगे शीतल हवा, मौसम के प्रतिमान।
अधरों पर पलने लगा, ढाई आखर गान।।
करते मंगलकामना, आकर रंग-अबीर।
वे भी चंचल हो गए, जो थे नित गंभीर।।

सुदृढ़ नहीं रह पाए नहीं, अनुशासन के बंध।
अभिसारों ने है रची, चोखी-नई सुगंध।।
फागुन की अठखेलियां, नयनों की है मार।
बदला-बदला लग रहा, देखो यह संसार।।
कदम-कदम से मिल रहे, हाथ गह रहे हाथ।
पर्वों को तो मिल रहा, धर्म,नीति का साथ।।

उल्लासोत्सव
कुमार राधारमण

होली के पर्व में कुछ ऐसी विशिष्टताएं हैं, जो इसे सबसे विलक्षण बनाती हैं। पूरे देश में अलग-अलग रूपों में मनाया जाने वाला यह पर्व हम सभी के जीवन में बहुत मायने रखता है।

उत्तराखंड के कुमाऊं में होली

रंग-उमंग-तरंग समेटे
विलक्षण पर्व होली

जीवन के हजार रंग हैं। हमारे पर्व-त्योहार इन्हीं रंगीनियों को बनाए रखने के लिए हैं। तमाम रंगों में एक रंग ऐसा है, जिसमें सामूहिकता का बोध निहित है, और वह रंग है होली का। जीवन में जो भी उत्सव और उल्लास है, केवल वर्तमान के क्षण में ही है। हमारे सारे पर्व-त्योहार हमें वर्तमान में जीने का ही प्रयास हैं। यह हमारा सौभाग्य है कि हम एक उत्सवधर्मी देश का हिस्सा हैं। मेल-जोल और सामाजिकता हमारे पारस्परिक संबंधों की नींव रही है। मेल-जोल की जैसी परंपरा होली में दिखती है, वैसी अन्यत्र नहीं।

पूरे देश में दिखती है छटा: फाल्गुन पूर्णिमा का त्योहार होली, थोड़ी-बहुत भिन्नता के साथ देश भर में मनाई जाती है। ब्रज की लट्ठमार, फूल और गुलाल की होली के सप्ताह भर के आयोजन से हममें से अधिकतर परिचित हैं। उत्तराखंड में कुमाऊं की होली के कई दिन पहले से गीत बैठकी में शास्त्रीय संगीत की मंडली जमने लगती है। महाराष्ट्र में शिमगा की रात को हर मोहल्ले में लकड़ी जलाई जाती हैं और दिन में लोग पूरन पोली बनाते हैं, सूखे गुलाल की होली खेलते हैं। कर्नाटक में सिरसी में, होली से पांच दिन पहले बेदरा वेशा लोकनृत्य होता है। तेलंगाना में होली 10 दिन पहले शुरू हो जाती है। पंजाब के आनंदपुर साहिब में होला मोहल्ला में सिख धर्मावलंबी शक्ति प्रदर्शन करते हैं और रंग की जगह कलाबाजी, कुश्ती, मार्शल आर्ट आदि का प्रदर्शन करते हैं। मध्य प्रदेश में खासकर भोपाल -इंदौर में, होली के बजाय होली के अगले दिन की रंगपंचमी खास होती है। राजस्थान में उदयपुर की संगीतमय होली को देखने विदेशी पर्यटक भी आते हैं। इसी प्रकार, पश्चिम बंगाल के शांति निकेतन की पारंपरिक अबीर होली की अलग खूबसूरती है। पश्चिम बंगाल, ओडिशा और असम की होली दोल जात्रा कहलाती है, जिसमें राधा-कृष्ण की प्रतिमा को मोहल्ले में घुमाया जाता है। गुजरात में होली पर छाछ से भरे मटके को तोड़ने के लिए मानव पिरामिड बनाया जाता है।

आनंदपुर साहिब में होला मोहल्ला

कृषि से भी है संबंधित: यों तो होली कृषि का भी त्योहार है, क्योंकि फागुन नई फसल के पकने का समय होता है। इसलिए, होलिका दहन में अग्निदेव को जौ-गेहूं अर्पित किया जाता है और नई फसल की बालियों को पकाकर प्रसाद स्वरूप ग्रहण किया जाता है।

बदल गया पर्व का स्वरूप: समय के साथ-साथ होली का स्वरूप बदलता गया और लोग इससे बचने लगे हैं। विकृत स्वरूप के कारण रंगों का चलन कम हो गया है और केवल थोड़े-बहुत अबीर का चलन रह गया है। एकाकी होती जीवनशैली के इस दौर में होली सामूहिकता का आमंत्रण है। होली हंसी के फव्वारों का महोत्सव है। होली पर अपने मन के उल्लास को खुलकर व्यक्त करना अच्छा है, बशर्ते उसमें अश्लीलता और फूहड़पन न हो। हमारी होली सभी के लिए सुरक्षित हो। हमारी होली में भी वही गुलाल हो, जो जीवन को प्रेमिल बनाए। इतना ऊर्जावान, व्यक्ति किसी भी पर्व में नहीं होता, जितना होली में होता है। तभी, ओशो कहते हैं, 'होली जैसा नृत्य करता उत्सव पृथ्वी पर और कहीं नहीं है।' *

बंगाल की पारंपरिक अबीर होली

आत्मप्रेरणा
राजयोगी बीके निकुंज जी

होली पर हम सभी होलिका दहन करते हैं, अगले दिन उमंग-उल्लास के साथ रंग खेलते हैं। लेकिन इसकी सार्थकता तभी है, जब हम सब इस पर्व के भावार्थ को आत्मसात करें।

होली का भावार्थ करें आत्मसात

भारतवर्ष में जितने भी त्योहार-पर्व मनाए जाते हैं, उन सभी में से होली का रंगोत्सव-मंगलोत्सव विशिष्ट और विलक्षण है। रस, रंग से सराबोर यह पर्व आंतरिक उल्लास को उभारने वाला एक सांस्कृतिक पर्व भी है।

सभी मनाते हैं प्रेम से: इस त्योहार की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे देश के हर वर्ग, जाति, धर्म एवं संप्रदाय के लोग बिना किसी भेदभाव के बड़े ही उत्साह और आनंद के साथ मनाते हैं। रंगों का यह पर्व प्रकृति से मानव को एकाकार कर तादात्म्य स्थापित कर देता है एवं जीवन को उल्लास के साथ जीने की रीति-नीति के लिए प्रेरित भी करता है।

आत्मशुद्धि का अवसर: हिंदू संस्कृति में अनावश्यक और हानिकारक वस्तुओं को हटा देने और मिटा देने को बहुत ही महत्वपूर्ण बताया गया है और इसी दृष्टिकोण को क्रियात्मक रूप देने के लिए होली का त्योहार बनाया गया है। अतः होली के त्योहार का छिपा हुआ संदेश यही है कि हम अपनी भीतरी और बाहरी गंदगी को ढूंढ़-ढूंढ़ कर साफ करें और चतुर्मुखी पवित्रता की स्थापना करें। मानसिक, सामाजिक, राजनैतिक विकृत विकारों के कंटक जो हमारे रास्ते में बिछे हुए हैं, उन्हें सब मिल-जुल कर खोजें और उनको आग में भस्म कर उत्सव मनाएं।

पौराणिक संदर्भ: पौराणिक दृष्टि से यह त्योहार कब आरंभ हुआ, इसके बारे में विभिन्न मत-मतांतर हैं। इस पर्व से अनेक कहानियां भी जुड़ी हुई हैं, जिनमें से सबसे प्रसिद्ध कहानी है भक्त प्रह्लाद की। इसके अनुसार हिरण्यकश्यप की बहन अर्थात प्रह्लाद की बुआ, प्रह्लाद को लेकर अग्नि में बैठी थी, प्रतिवर्ष 'होलिका' नाम से आज तक जलाई जाती है। भविष्य पुराण के अनुसार ढुंठला नामक राक्षसी के द्वारा शिव-पार्वती से यह वरदान तपश्चर्या द्वारा प्राप्त किया गया था कि वह सुर-असुर नर-नाग किसी से न मारी जा सके और जिस बालक को खाना चाहे खा सके। कथा के अनुसार, वरदान देते समय भगवान महादेव ने यह शर्त लगा दी कि वर्ष में केवल होली के एक दिन यह वरदान फलीभूत नहीं होगा और उस दिन जो भी बालक वीभत्स आचरण करते, निर्लज्जतापूर्वक फिरते पाए जाएंगे, उन्हें वह नहीं खा सकेगी। कहा जाता है कि उस राक्षसी से बचने के लिए तरह-तरह के वीभत्स स्वांग रचने की परंपरा इस त्योहार से ही बनी। एक और मान्यता के अनुसार इसी दिन के लिए महर्षि वशिष्ठ जी ने सब मनुष्यों के लिए अभयदान मांगा था, ताकि वे निःशंक होकर इस दिन हंस-खेल सकें। इसी प्रकार भविष्य पुराण में नारद जी ने राजा युधिष्ठिर को होली के संबंध में एक कथा सुनाई, वह इस प्रकार है, नारद जी बोले, 'हे नराधिप! फाल्गुन की पूर्णिमा को सब मनुष्यों के लिए अभय दान देना चाहिए, जिससे समस्त प्रजा भय-रहित होकर हंसे और क्रीड़ा करे। डंडा और लाठी लेकर बालक शूरवीरों की तरह गांव के बाहर जाकर होली के लिए लकड़ी और कंडों का संचय करें। उस होलिका-दहन, हास-परिहास और मंत्र उच्चारण से पापात्मा राक्षसी नष्ट हो जाती है।'

प्रतीकों का समझें भावार्थ: विभिन्न पौराणिक कथाओं से बुद्धिमान लोग समझ सकते हैं कि इसका शब्दार्थ लेना युक्ति-संगत नहीं है बल्कि भावार्थ अथवा लक्षणार्थ लेना ही विवेक-सम्मत है क्योंकि केवल लकड़ी और कंडों के दहन से तो सभी अनिष्टों का नाश हो नहीं सकता, न ही कभी ऐसा हुआ है। वास्तव में तो लकड़ी और कंडे, मनुष्य के स्वभाव और उसके कर्मों में जो दुख देने वाली आदतें हैं, जो कटुता, शुष्कता, क्रूरता तथा विकार रूपी झाड़-झंखाड़ हैं, उनके प्रतीक हैं और अग्नि 'योगाग्नि' का प्रतीक है। अतः बुरे संस्कारों, नास्तिकता तथा अभिमान रूप होलिका इत्यादि को परमात्मा रूप दिव्य अग्नि की पाप-दह शक्ति में होम कर देना या योगाग्नि में भस्म कर देना ही 'होलिका-दहन' है। इससे मनुष्य के मन में हर्ष और आह्लाद होना स्वाभाविक है, इसलिए यह हास-परिहास का त्योहार माना गया है।

'अभय दान' देने का अर्थ भी यही है कि हम हिंसा, क्रोध, द्वेष इत्यादि से वशीभूत होकर व्यवहार न करें, जिससे कि हमसे किसी को भय हो। सोचने की बात है कि लकड़ी और कंडों को जलाने से तो 'पापात्मा राक्षसी' का नाश नहीं होगा न? क्योंकि 'पापात्मा राक्षसी' तो हमारे मन में बैठी हुई आसुरी वृत्तियों तथा पापजनक कर्मों की ही सूचिका है। अतः हम ज्ञान-रंग से एक-दूसरे को रंग कर, मन के कुभावों तथा कुसंस्कारों का कचरा दग्ध कर दें- यही होली और होलिकोत्सव का वास्तविक रहस्य है, प्रेरणा है। *

हास्य गजल / सूर्य कुमार पांडेय

क्या करें

उम्र ने यह की है साजिश, क्या करें?
हो गए हैं गाल किशमिश, क्या करें?
ऐसे किशमिश होने का क्या फायदा,
जब उन्हें हम कर रहे 'मिस', क्या करें?
अकड़ बॉडी में है, जाती ही नहीं,
कह रही वह, करिए वर्जिश, क्या करें?
मेन ऑफिस के ही नखरे इतने हैं,
खोल कर इक ब्रांच ऑफिस, क्या करें?
एक से ब्रेकअप, फिर दूजे से तलाक,
जानूं, तू भी निकली सेल्फिश, क्या करें?
अपने घर का है अलग ही संविधान,
कर रहे हम उनकी मालिश, क्या करें?

हास्य व्यंग्य / शरद उपाध्याय

फेसबुकिया नायिका के फाग

प्रिये, अब मन बिल्कुल बदल गया है। होली की नायिकाएं अब फीकी पड़ गई हैं। बस बार-बार फेसबुक पर चिपका हुआ तुम्हारा गुलाबी चेहरा याद आ रहा है। होली आ चुकी है। चारों ओर रंग ही रंग बिखरा पड़ा है। कल्पनाएं हिलोरे ले रही हैं। फेसबुक पर तुम्हारे टीपकर लिखे फाग पर 'लाइक' के साथ 'कमेंट' भी कर चुका हूं। तुम 'ऑफलाइन' हो, पर बार-बार दूसरों की वॉल पर 'कमेंट' की पिचकारियां फेंकती फिर रही हो, यह ठीक नहीं है। यह हमारे शाश्वत प्रेम के खिलाफ है। इससे न जाने कितने रंग भरे गुब्बारे मेरे सीने पर फूटने लगे हैं। तुम्हारे लिए ही एक पुराना 'रंगीन' फोटू, जिसमें बीवी भी नहीं पहचान पाती, फेसबुक पर चिपका रखा है। इसी के सहारे साल भर से हम रसिया गा रहे हैं। तुम्हारा जैसे ही सुंदर मुखड़ा देखते हैं, झट से लाइक कर देते हैं, और बिना पढ़े ही अच्छा सा कमेंट कर डालते हैं। अब इतने सुंदर चेहरे को देखकर भला कहां कुछ पढ़ने-लिखने का मन करता है। अब तुम भी जरा सोचो, इतने दिनों से 'ऑफलाइन' हो। अब होली के अवसर पर थोड़ा-सा डिस्काउंट तो दे दो, चंद पलों के लिए तो 'ऑनलाइन' हो जाओ। देखो, मैंने तुम्हारे लिए कितना त्याग किया है। लाख 'डिसलाइक' की स्थिति होने पर भी सैंकड़ों-हजारों बार 'लाइक' किया। यही सोचकर कि अब कुछ तो तुम्हारी तरफ से अबीर उड़ेगा। कभी तो तुम मेरे साथ फाग गाओगी। अभी-अभी तुमने होली पर जो प्रेम का रसिया वॉल पर डाला है, दसवीं कक्षा की किताब से नकल करने के बाद भी अच्छा है। हालांकि उसमें मात्राओं की कई गलतियां हैं, पर कोई बात नहीं। ये सारी बातें रंगीन भावनाओं के कारण क्षम्य हैं। पर एक बात सच-सच बताओ। ये जो तुमने 'स्टेटस', 'सिंगल' डाल रखा है, वो सच तो है ना! नहीं तो मैं बेकार ही काल्पनिक फाग गाकर होली न निकाल दूं। अब चारों ओर होली का गुलाल उड़ रहा है। मेरा मन भी कर रहा है कि तुम्हारे गोरे गालों पर थोड़ा सा अबीर मल दूं। पर एक बात का डर लगता है, तुमने फेसबुक पर जो सुंदर फोटो डाल रखा है, वो तुम्हारा ही तो है ना? तुम्हारे इस सुंदर फोटो पर विश्वास करके ही होली की धूम को छोड़कर नेट पर बैठा हूं। गूगल प्लस पर तुमने फोटो की जगह 'फूल' डाल रखा है। कहीं तुम मुझे 'फूल' तो नहीं बना रहीं? एक्स पर भी तुम न जाने किनको 'फॉलो' करती नजर आती हो। अब ये बातें सोचता हूं तो दिल बैठ जाता है।

एक बार तुमने कमेंट लिखने में 'जेंडर-मिस्टेक' कर दी तब ऐसा लगा था कि कहीं तुम्हारी आईडी 'फेक' तो नहीं है। भगवान से यही प्रार्थना करता हूं कि ऐसा नहीं हो। मेरा विश्वास है कि ऐसा नहीं होगा। इसीलिए तो बाहर उड़ती हुई गुलाल को छोड़कर मन की पिचकारी लिए 'ऑनलाइन' बैठा तुम्हारा इंतजार कर रहा हूं। ये 'ऑफलाइन' की लंबी अंधेरी रात कब खत्म होगी। बस आ भी जाओ। किसी बात का बुरा मत मानना। इस सूने जीवन में होली का रंग तो बिखेर दो। मैं कब से नेट खोलकर बैठा हूं। बस एक बार.... तुम्हें होली की कसम! *

लघुकथा / अशोक वाधवाणी

होली है ..!

आत्माराम मित्रों के साथ होली खेलने के लिए सुबह-सुबह सफेद कुर्ता-पायजामा पहनकर घर से निकले। चौराहे पर देखा, ढेर सारे बच्चे पिचकारी से एक-दूसरे को रंग रहे हैं। उन्हें वहां से गुजरते देखकर बच्चे ठिठक गए। इन बच्चों में एक बच्चा जो उम्र में कुछ बड़ा था, बाकी बच्चों से बोला, 'अंकल को जाने दो। गलती से उन्हें रंग लग गया तो हमारी खैर नहीं।'

आत्माराम ने जिज्ञासावश एक बच्चे से इसका कारण पूछा तो उसने बताया, 'थोड़ी देर पहले हमने एक बुजुर्ग पर पिचकारी से रंग डाल दिया था, वे आगबबूला हो गए। हमको मारने के लिए पत्थर तक उठा लिया। हम सब डर कर भाग गए।'

यह सुनकर आत्माराम बच्चों से बोले, 'मैं तो अपने दोस्तों के साथ रंग खेलने जा रहा था। अब शुरुआत तुम बच्चों से ही करूंगा।'

आत्माराम की बात सुनकर सारे बच्चे खुशी से नाच उठे। बच्चों ने 'होली है..!' कहकर उन्हें सर से पांव तक रंग दिया। आत्माराम भी बच्चा बनकर बच्चों की खुशी में शामिल होकर नाचने-गाने लगे। रास्ते से गुजरने वाले लोग बच्चों के साथ एक बुजुर्ग की इस तरह मस्ती देखकर रुक कर देखने लगे। वे सभी अचंभित भाव से मंद-मंद मुस्करा रहे थे। *

कुंडलियां
श्याम सुंदर श्रीवास्तव 'कोमल'

अंग-अंग में रंग

होली में मुस्काए के, करके तिरछे नैन।
बातों का रस घोल के, गोरी लूटै चैन।
गोरी लूटै चैन, नैन अपने मटकाती।
संकेतों के तीर, चला कर है मुस्काती।
कह 'कोमल' कविराय, नैन से मारे गोली।
अंग-अंग में रंग, रंगीली आई होली।।
होली आई झूम के, मन में उठी तरंग।
अंग-अंग थिरकन लगे, बजते ढोल मृदंग।
बजते ढोल मृदंग, रंग की मस्ती छाई।
एक नया उल्लास, हास ले होली आई।
कह 'कोमल' कविराय, नैन तिरछे कर बोली।
चूक रहे क्यों आज, संग में खेलो होली।।

फागुन के दिन चार रे रसिया

होली के स्वरूप में भले ही अब काफी कुछ बदल चुका है। लेकिन इस पर्व का मूल स्वरूप लोकसंस्कृति, पुराण, प्रकृति परिवर्तन और जीवन की सकारात्मकता से जुड़ा है। रंगोत्सव, हमें न केवल अपने परिवार, आस-पड़ोस और समाज से जोड़ता है, साथ ही अपने गौरवमयी सांस्कृतिक धरोहर और लोकरंग से भी संबद्ध करता है।

लोकपर्व
सुधा रानी तैलंग

जीवन को इंद्रधनुषी रंगों से भरने, रंगों का त्योहार होली एक बार फिर से हम सबके लिए रंगों की फुहार और प्रीत राग की बौछार लेकर आया है। रंग पर्व के स्वागत में अमलतास और पलाश के पेड़, पुष्प गुच्छों से आच्छादित हो गए हैं। आम के पेड़ों पर बौर आ गए हैं। हर ओर प्रकृति वसंत के उत्सव में मगन नजर आ रही है।

सुनाई देते हैं फाग के मोहक सुर

वसंत ऋतु के आते ही समूचा परिवेश रंगमय हो जाता है। माघ शुक्ल पंचमी से ही ग्रामीण अंचलो में फाग गाना शुरू हो जाता है। वैसे होली के त्योहार का विधिवत आरंभ वसंत पंचमी से हो जाता है। तभी से लेकर होली तक हर उत्सवप्रेमी मन मौज-मस्ती, रंग, अबीर, ढोल-मजीरे की थाप के संग पुलकित,चंचल हो उठता है। मन गुनगुनाने लगता है, *अब दिन आए वसंती नीरे।*

हास-परिहास संग संगीत का उत्सव

होली हास-परिहास, मौज-मस्ती, व्यंग्य-विनोद का उत्सब है। अबीर- गुलाल के रंगों की इंद्रधनुषी फुहार, टेसू के केसरिया रंग, भांग, ठंडाई और गुझियों की मिठास के संग होली के हुरियारों और मसखरों की टोली, घर-घर से लकड़ियां और चंदा मांगते बच्चे, ढोल, डफली, झांझर और मांदल के उमगते सुरों में फाग के फड़, फगुआ, होरी गारी गीत और लोक गीतों की सुर संगीत लहरियों के संग, चहुंओर उल्लास और खुशियों के रंग भर देते हैं। खासकर ग्रामीण अंचल में फागें समूचे परिवेश को रंगमय-संगीतमय कर देते हैं- *फागुन आयो फागुन आयो रे, रंग दे रसिया, होली खेलूं रसिया, फागुन आयो।*

तन-मन हो उठता है पुलकित

फागुन की दस्तक ही तन-मन को पुलकित कर देती है। होली में रंग-गुलाल की मस्ती छा जाती है। होली के दिन, लोग एक-दूजे को गले लगाते गुलाल का तिलक लगाकर शुभकामनाएं देते हैं और सामाजिक समरसता, सद्भाव के रंग बिखेरते हुए मजीरों की थाप पर जमकर थिरकते हैं। होली में युवाओं के संग बच्चों और बड़ों का हुजूम गलियों, चौराहों और सड़कों में मस्ती, उल्लास और उत्साह के संग चारों ओर सतरंगी रंगों को बिखेरता हुआ दिखाई देता है। बच्चों की टोली की मौज-मस्ती, हुड़दंग के संग एक-दूजे पर पिचकारी के रंगों की बौछार से समूचा परिवेश रंगमय हो जाता है।

जुड़ी हैं कई सांस्कृतिक मान्यताएं

भारतीय संस्कृति में होली का पौराणिक महत्व भी है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। अन्याय पर न्याय की और असत्य पर सत्य का प्रतीक लोक पर्व भी है। पुराणों के अनुसार प्रथम पुरुष मनु का जन्म भी इसी तिथि पर हुआ था। इसीलिए इसे मन्वादितिथि भी कहा जाता है। भगवान शंकर के द्वारा अपनी क्रोधाग्नि से कामदेव को भस्म करने के कारण इसे मदनोत्सव के रूप में भी मनाया जाता है। प्रकृति के अंगड़ाई लेते ही वसंत उत्सव के बाद नए अनाज के आगमन की खुशी में नव शस्येष्टि पर्व के रूप में मनाए जाने का उल्लेख प्राचीन ग्रंथो में भी मिलता है। होलिका दहन वैदिक सोम यज्ञ की परंपरा का वाहक है। फाल्गुन पूर्णिमा पर अन्न पकने पर जौ और गेहूं की बालियों को देवताओं को समर्पित करने के बाद ही उपभोग करने की परंपरा रही है। यह परंपरा आपसी प्रेम और सौहार्द का प्रतीक है। साथ ही होली में मंत्रोच्चारण के साथ गेहूं, चने की बालियां, नव अन्न के साथ धूप, पुष्प, जड़ी-बूटियां, गोबर के उपले, कंडे और सुगंधित द्रव्यों को अग्नि में समर्पित कर वातावरण को शुद्ध, परिष्कृत करके धूम्र कण बादलों को आमंत्रण देते हैं और वर्षा होती है। साथ ही होलिका दहन से अहंकार, ईर्ष्या और बुराइयों का विसर्जन होकर समूचे परिवेश में सौहार्दता और प्रेम का वातावरण निर्मित होता है।

मथुरा में फूलों वाली होली खेलते स्थानीय लोग

विश्वप्रसिद्ध ब्रज मंडल की होली

होली का लोक पर्व पूरे देश में कई तरह के रंग बिखेरता है। लेकिन विशेष रूप से इस पर्व का ब्रज से गहरा नाता है। मथुरा, वृंदावन, ब्रज मंडल के मंदिरों में फाग के रंगों की फुहार और फूलों की बौछार तो समूचे विश्व के पर्यटकों और श्रद्धालुओं को बरबस ही आकर्षित करती है। जिस तरह द्वापर युग में ब्रज में होरी खेलते हुए भगवान श्री कृष्ण और उनके सखा, गोपियों के संग राधा को रंगों में सराबोर कर देते हैं। वो परंपरा आज भी चली आ रही है।

रंगोत्सव और उसमें निहित संदेश

होली के रंग जीवन में खुशियों के रंग भर देते हैं, चारों ओर, प्रेम, एकता के रंग बिखर जाते हैं। वैर भाव छोड़ सब एक-दूजे को प्रेम के रंग से रंग देते हैं। स्नेह प्रेम रंग में रंगे प्रेमी के रंग से पूरा संसार ही रंगमय हो जाता है। होलिका दहन के दूसरे दिन धुलेंडी में उड़ती गुलाल और अबीर से पूरा आसमान ही सतरंगा हो जाता है। तभी तो हुरियारे कह उठते हैं, उड़त गुलाल लाल भए अंबर।

पौराणिक मान्यता के अनुसार होली में समूचे आसमान में गुलाल, अबीर का रंग उड़ाने से रजोगुण और तमोगुण के प्रभाव कम होकर उत्सव का सात्विक स्वरूप निखरता है और देवी-देवता प्रसन्न होते हैं। मान्यता है, इस दिन रंग और अबीर से खेलने पर नकारात्मकता का विनाश होता है और निराशा दूर होती है। मन के विकार दूर होते हैं। चारों ओर सकारात्मक प्रवाह आता है। गुलाल के स्पर्श से लोगों के व्यक्तित्व और विचारों में सकारात्मकता आती है। होली के रंग हमें प्रेरित करते हैं कि हम अपने और दूसरों के जीवन को भी खुशियों से सराबोर रखें। *

उल्लास
भूपसिंह 'भारती'

होळी की खुम्मारी

बरसाओ रंग-गुलाल, होळी सै मतवारी।
होळी म्हं कस कै मार, यार तू पिचकारी।।
खेलै होळी छैल-छबीली,
गोरी हो गई रंग-रंगीली,
अंगिया काळी-पीळी, हुई बलमा म्हारी।
फागण आयो यो मस्तानों,
मस्त अदा कर री दीवानों,
दूंगी भोत उल्हाणों, करी जो बदकारी।

बलमा खेलण आयो होळी,
कस कै भरली मोरी कोळी,
रंगग्यो दामण चोली, मार कै पिचकारी।
होळी को यो गजब अखाड़ों,
बजै 'भारती' ढोल नगाड़ों,
माड़ो होग्यो जाड़ो, होळी की खुम्मारी।

रंगों का संबंध केवल होली खेलने से ही नहीं होता है। कौन-सा रंग आपको पसंद है, इससे आपके मिजाज और व्यक्तित्व के राज का भी पता चलता है, कैसे बता रहे हैं आपको।

रंगों की पसंद बताती है आपके मिजाज का राज

पर्सनालिटी
शिखर चंद जैन

समाज शास्त्रियों और मनोवैज्ञानिकों की मानें तो किसी व्यक्ति की रंग की पसंद से उसके व्यक्तित्व और स्वभाव का काफी हद तक पता लगाया जा सकता है।

सफेद रंग: सफेद रंग अधिक पसंद करने वाले दूरदर्शी और आशावादी माने जाते हैं। ये लोग प्लानिंग करने में माहिर होते हैं, इसीलिए अधिकतर कार्यों में सफलता प्राप्त करते हैं। ये लोग वर्कलाइफ और पर्सनल लाइफ में अच्छा बैलेंस बनाए रखते हैं। जो सफेद रंग पसंद करते हैं, वे शांति प्रिय होते हैं। नए लोगों से जल्दी मित्रता नहीं बढ़ाते हैं। किसी भी नए स्थान पर या नए लोगों के बीच सहज महसूस नहीं करते क्योंकि ये संकोची स्वभाव के होते हैं।

लाल रंग: लाल रंग पसंद करने वाले हमेशा सजग रहते हैं। इनके जीवन में प्रेम का बहुत अधिक महत्व होता है। ये लोग अच्छे प्रेमी सिद्ध हो सकते हैं। लाल रंग उत्साह और जोश का प्रतीक है और इसी वजह से इसे पसंद करने वाले जोशीले होते हैं। ये लोग जीवन को पूरे उत्साह के साथ जीते हैं। दूसरों के स्वभाव को बहुत जल्दी समझ लेते हैं और स्वयं को उसके मुताबिक एडजस्ट कर लेते हैं।

पीला रंग: पीले रंग के शौकीन आमतौर पर हंसमुख स्वभाव वाले होते हैं। ये जीवन को सकारात्मक रूप में जीते हैं। ये लोग नए विचारों को अपनाने में यकीन रखते हैं। खुले मन के होने के कारण ये दूसरों को सही मार्गदर्शन देते हैं। सभी की मदद के लिए तैयार रहते हैं। विपरीत समय में भी यह ईमानदारी के साथ कार्यों में लगे रहते हैं और अपनी विल पावर के बूते सफल हो जाते हैं।

नीला रंग: नीले रंग को पसंद करने वाले स्वाभिमानी होते हैं। ये मदद लेना पसंद नहीं करते हैं। अपने प्रेमी को पूरा समय देते हैं और उसकी जरूरतों का ध्यान रखते हैं। इन्हें भरोसेमंद माना जा सकता है। किसी का विश्वास नहीं तोड़ते हैं और किसी अन्य व्यक्ति पर आसानी से विश्वास भी नहीं करते हैं। मित्रता करने से पहले पूरी सावधानी रखते हैं और जब इन्हें यह सुनिश्चित हो जाता है कि व्यक्ति मित्रता करने योग्य है, तब ही मित्रता करते हैं। अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह पूरी शिद्दत से करते हैं।

हरा रंग: हरे रंग के दीवाने डाउन टू अर्थ स्वभाव वाले होते हैं। हर परिस्थिति में अपने स्वभाव को बनाए रखते हैं। सफलता के शिखर पर पहुंचने के बाद भी सामान्य इंसान की भांति बने रहते हैं। यदि इनके आस-पास कोई दुखी व्यक्ति होता है तो उसके दुख बांटने का प्रयास करते हैं। ये बहुत शांतिप्रिय इंसान होते हैं। जिस प्रकार हरा रंग आंखों को सुखद अहसास देता है, ठीक वैसा ही स्वभाव हरा रंग पसंद करने वाला भी होता है।

गुलाबी रंग: जिन लोगों को गुलाबी रंग अधिक पसंद होता है, वे जीवनसाथी के प्रति काफी भावुक होते हैं और जीवन साथी का ध्यान रखने वाले होते हैं। इनके मित्रों की संख्या भी अधिक रहती हैं। मित्रों से विशेष स्नेह प्राप्त करते हैं। सभी लोगों से प्रेम से मिलते हैं। इनका स्वभाव काफी रोमांटिक होता है। ये लोग दूसरों के गुणों पर अधिक ध्यान देते हैं और बुराइयों को अधिकतर नजरअंदाज करते हैं।

भूरा रंग: जिन लोगों को ब्राउन (भूरा) कलर प्रिय होता है, वे लोग आकर्षक व्यक्तित्व के धनी होते हैं। सफलता मिलने के बाद भी घमंड और अहंकार से दूर रहते हैं। इनका स्वभाव मित्रतापूर्ण और विनम्र रहता है, इस कारण अधिक सफल होने के बाद भी लोग सरल होते हैं। दूसरों की मदद करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। दूसरों के दुखों को दूर करने का प्रयास करते रहते हैं। दूसरों को इनका साथ बहुत प्रिय होता है। कठिन परिस्थितियों को काबू करने के लिए धैर्य और मेहनत का सहारा लेते हैं। सूझ-बूझ से विपरीत हालातों से बाहर आ जाते हैं।

जामुनी रंग: जामुनी रंग पसंद करने वाले लोगों के स्वभाव में रचनात्मकता होती है, इस कारण किसी भी काम को अलग-अलग तरीके से करने में इन्हें मजा आता है। इन्हें भीड़ का हिस्सा बनना पसंद नहीं होता है। भीड़ से अलग काम करने पर अधिक विश्वास रखते हैं। ये लोग दूसरों की नकल करना पसंद नहीं करते हैं और ना ही ये चाहते हैं कि कोई इनके कामों की नकल करे। ये दूरदर्शी भी होते हैं।

काला रंग: जिन लोगों को काला रंग पसंद होता है, वे थोड़े रूढ़िवादी हो सकते हैं। साथ ही, इन लोगों को गुस्सा भी बहुत जल्दी आता है। इन्हें किसी भी काम में कोई बदलाव पसंद नहीं होता है। किसी भी प्रकार का बदलाव आसानी से स्वीकार नहीं कर पाते हैं। ये लोग अपनी शक्ति बढ़ाना चाहते हैं। इन्हें लोगों से उचित दूरी बनाए रखना पसंद होता है। *

उमंग-तरंग

मीठी-मीठी यादों के बीच प्रेम के प्यारे-प्यारे रंग

होली का पर्व हर कोई बहुत उत्साह-उमंग से मनाता है। छोटे पर्दे के कलाकार भी इसमें पीछे नहीं रहते। इनकी सबसे मीठी यादगार होली कब और क्यों रही? होली के पर्व को ये किस नजरिए से अहम मानते हैं? इस बार होली कैसे मनाएंगे? बता रहे हैं, चर्चित टीवी शोज के कुछ प्रमुख कलाकार।

होली पर किसी को भी छेड़ सकते हैं : विभव रॉय

इन दिनों स्टार भारत पर आ रहे शो 'शैतानी रस्में' में विभव रॉय राजकुमार पीयूष के लीड रोल में नजर आ रहे हैं। होली का जिक्र होने पर वह अपनी पिछले साल की होली याद करते हुए बड़े उत्साह से बताते हैं, 'अपनी पिछली होली मैंने यूएस में अपने भांजे के साथ मनाई थी। जहां हमने स्विमिंग पूल में रंग मिलाकर उसमें होली खेली और खूब मस्ती की थी। उस दिन मेरी बहन ने अपने हाथों से सभी के लिए गुझिया बनाई थी, जो बहुत टेस्टी थी। गुझिया के साथ ढेर सारे कैंडी, चॉकलेट्स भी सभी के लिए रखे गए थे। सबने मजे से खाया। मैं अपनी पर्सनल लाइफ में भी एक प्रैंक्स्टर हूं। सभी से हंसी-मजाक करता रहता हूं। होली से जुड़ी मुझे सबसे अच्छी बात यह लगती है कि इस दिन आप किसी के भी रंग लगा सकते हैं, उसे छेड़ सकते हैं, उसके साथ मजाक-मस्ती कर सकते हैं। होली एक ऐसा दिन है, जब आपको अपनों के साथ हंसने-हंसाने का मौका मिलता है। इस होली पर मैं अपने शो 'शैतानी रस्में' की शूटिंग में बिजी रहूंगा, लेकिन शूटिंग के बाद अपने को-स्टार्स और क्रू मेंबर्स से साथ होली जरूर मनाऊंगा। आप सभी को होली की शुभकामनाएं!' *

रंग सबसे खूबसूरत जरिया हैं, अपने परिजनों से मिलने का : गरिमा परिहार

आजकल सोनी सब के शो 'पुष्पा इंपॉसिबल' में गरिमा परिहार ने दीप्ति पारीख पटेल के किरदार में खूब रंग जमा रखे हैं। होली का जिक्र आते ही वह अपनी पिछले साल की खेली होली याद करती हैं, 'बीते साल मैंने शो 'पुष्पा इंपॉसिबल' की पूरी टीम के साथ बड़ी ही धूमधाम से होली खेली थी। असल में होली खेलना हमारे शो के एक सीक्वेंस का हिस्सा था। इसकी शूटिंग के दौरान जब भी हमें ब्रेक मिलता था, हम सभी एक-दूसरे पर पिचकारी चलाने लगते थे। जब पिचकारी से बात नहीं बनती तो बाल्टियों से भर-भर कर एक-दूसरे पर रंग वाला पानी डालते। यह सिलसिला करीब बारह घंटे चला, हमने खूब मस्ती की। मुझे होली से जुड़ी सबसे अच्छी बात यह लगती है कि इस दिन सभी लोग एक हो जाते हैं। भले ही हम अपनों से दूर क्यों न हों, लेकिन कोशिश यही रहती है कि होली के दिन सब मिलें। इस त्योहार पर रंग सबसे खूबसूरत जरिया हैं, अपने परिजनों से मिलने का। इस बार की होली मेरे लिए बहुत खास है, क्योकि होली वाले दिन ही मेरा जन्मदिन है। इस साल मैं अपना जन्मदिन, होली त्योहार के साथ मनाऊंगी। *

सारे गिले-शिकवे भुलाकर प्रेमपूर्वक रंग खेलने का दिन : स्वाति शर्मा

चैनल शेमारू उमंग के नए शो 'चाहेंगे तुम्हें इतना' में स्वाति शर्मा ने आशी के किरदार में सबका दिल जीत लिया है। वह होली से जुड़ी अपनी यादें ताजा करते हुए बताती हैं, 'होली मेरा सबसे पसंदीदा त्योहार है। मेरी सबसे यादगार होली तब की है, जब हम कई साल पहले अपने नए घर में शिफ्ट हुए थे। हमारे पड़ोस में तब कोई रहने नहीं आया था। हमने बगल वाले अंडरग्राउंड टैंक से बकेट से पानी निकालकर, उसमें कलर मिलाकर जमकर होली खेली थी। लेकिन जब मम्मी-पापा को हमारी शरारत पता चली, हमें खूब डांट पड़ी कि हमने इतना ढेर सारा पानी बर्बाद क्यों किया। तब बचपना था, लेकिन अब इस बात को हम अच्छे से समझते हैं कि होली में पानी बर्बाद नहीं करना चाहिए। अब तो हम सबसे कहते हैं, 'होली सिर्फ सूखे रंगों से ही खेलें, पानी बर्बाद न करें।' हमें होली की सबसे प्यारी बात यह लगती है कि इस त्योहार के दौरान हम अपने सारे गिले-शिकवे भूलकर आपस में प्रेम पूर्वक रंग खेलते हैं, गले मिलते हैं। इस बार की होली मैं शो 'चाहेंगे तुम्हे इतना' के सेट पर अपने कास्ट और क्रू के साथ मनाऊंगी।' *

समावेशी भावना होली को सुंदर-अनोखा उत्सव बनाती है : राकेश बेदी

एंड टीवी के पॉपुलर शो 'भाभीजी घर पर हैं' में भूरे लाल का किरदार निभा रहे राकेश बेदी से जब होली की बात होती है तो उन्हें अपने बचपन के दिनों में होली पर की गई शरारतें याद आ जाती हैं। वह बताते हैं, 'होली पर हम बच्चे पानी की बंदूकें और रंगीन पानी की बाल्टियां लेकर बैठ जाते थे, जैसे ही कोई पड़ोसी अपने घर से बाहर निकलता, हम उस पर हमला बोल देते। हमारे पड़ोसियों में एक रूड अंकल थे। हमने उनके साथ मजाक करने का साहस किया। हम बच्चों ने जाकर उनके घर की डोर बेल बजाई, जैसे ही उन्होंने दरवाजा खोला, हमने रंगों से भरी बाल्टी उन पर उड़ेल दी और छिपने के लिए भागे, लेकिन अंकल जी गुस्से में आने के बजाय घर के भीतर गए, अपनी रसोई से सूखे आटे की थैली उठा लाए और हमारे ऊपर छिड़कने लगे। इस मस्ती में दूसरे पड़ोसी भी शामिल हो गए। सबको खूब मजा आया। होली के पर्व को सभी उम्र, पृष्ठभूमि और सामाजिक वर्गों के लोग एकसाथ मनाते हैं। ऐसी समावेशी भावना होली को एक सुंदर और अनोखा उत्सव बनाती है।' *

प्रस्तुति : हरिभूमि फीचर्स

फिल्म-जगत / अशोक जोशी

फिल्मों में होली के रंग खूब बिखरे हैं। दर्शकों के लिए होली एक विशेष आकर्षण रही है, विशेषकर होली के गीत। फिल्मों में होली, कहानी को आगे बढ़ाने या टर्निंग प्वाइंट लाने में बहुत कारगर साबित हुई है। फिल्मों में होली के रूप पर एक नजर।

फिल्मों में भी खूब बिखरे हैं होली के रंग

होली के रंग हमारे बीच ही नहीं, फिल्मी पर्दे पर भी दिखाई देते हैं। बॉलीवुड के कई निर्माता-निर्देशकों ने अपनी फिल्मों में होली के सतरंगी रंग बिखेरे हैं। फिल्मों में ये रंग कभी बदले या फिर विरह के रूप में दिखते रहे हैं। इनसे इतर प्रेम के गहरे रंग को भी कई बार होली के माध्यम से पर्दे पर दिखाकर दर्शकों के दिलों की धड़कनें बढ़ाई हैं। फिल्म के कथानक के साथ होली-गीतों को भी फिल्मों में बहुत खूबसूरत रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। कई फिल्मों में होली के गीत इतने लोकप्रिय हुए कि आज भी होली के मौके पर दिनभर सुनाई देते हैं।

काफी पुराना है इतिहास: जहां तक फिल्मों में होली के दृश्यों की बात है तो इसका इतिहास काफी पुराना है। दिलीप कुमार की पहली फिल्म 'ज्वार भाटा' में होली नजर आई थी। फिल्म के निर्देशक अमिय चक्रवर्ती ने 1944 में होली के दृश्य शूट करके एक इतिहास रचा था। इसके बाद दिलीप कुमार की फिल्म 'आन', 'कोहिनूर' और 'सौदागर' में भी होली के रंग देखने को मिले। इसके बाद भी फिल्मों में होली नजर आती रही।

फिल्मों में होली के यादगार गीत: एक समय ऐसा आया जब फिल्मों में होली के गीत फिल्म का विशेष आकर्षण बन गए। फिल्मकार यश चोपड़ा ने तो इसमें उस दौर के निर्देशकों को बहुत पीछे छोड़ दिया था। अपनी फिल्म 'सिलसिला' में उन्होंने 'रंग बरसे भीगे चुनर वाली' होली का एक लोकप्रिय गीत दिया। इसके बाद 'मशाल' में 'होली आई, होली आई, देखो होली आई रे', 'डर' में 'अंग से अंग लगाना' और बाद में 'मोहब्बतें' में उनके बेटे निर्देशक आदित्य चोपड़ा ने 'सोनी-सोनी अंखियों वाली, ' में बड़े पर्दे पर होली के रंग बिखेरे। फिल्म 'मदर इंडिया' का गाना 'होली आई रे कन्हाई' आज भी याद किया जाता है। इसके अलावा 'नवरंग' का 'जा रे हट नटखट' और 'लम्हे' का 'मोहे छेड़ो न नंद के लाला' गाने ने भी होली का फिल्मों में प्रतिनिधित्व किया।

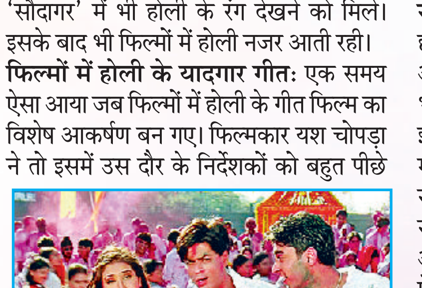
फिल्म 'मोहब्बतें' में कोएक्टर्स के साथ शाहरुख

फिल्म 'बागबान' में अमिताभ के साथ हेमा

'शोले' में मस्ती के रंग में धर्मेंद्र-हेमा

स्टार्स ने खूब बिखेरे होली के रंग : फिल्मों में होली का रंग बिखेरने में स्टार्स खूब आगे रहे। इनमें अमिताभ-रेखा पर फिल्माया गया गीत 'रंग बरसे भीगे चुनर वाली' आज भी याद किया जाता है। इस गीत के लंबे समय बाद अमिताभ ने हेमा मालिनी के साथ 'बागबान में 'होली खेले रघुवीरा' के जरिए एक बार फिर रुपहले पर्दे को रंगीन किया। अमिताभ, विपुल शाह की 'वक्त' में अक्षय कुमार और प्रियंका चोपड़ा के साथ 'डू मी, फेवर, लेट्स प्ले होली' गाते हुए भी खूब जंचे। हिंदी फिल्मों की एक और जोड़ी, धर्मेंद्र और हेमा मालिनी ने होली को फिल्मों में ऐतिहासिक बनाया है। इस जोड़ी पर फिल्माया फिल्म 'शोले' का गीत 'होली के दिन दिल खिल जाते हैं' हिट रहा फिर इस जोड़ी ने फिल्म 'राजपूत' में 'भागी रे भागी रे भागी ब्रजबाला, कान्हा ने पकड़ा रंग डाला'गाकर भरपूर होली खेली। बॉलीवुड में 'होली' और 'होली आई रे' नाम से और 'फागुन' नाम से दो फिल्मों का निर्माण हो चुका है।

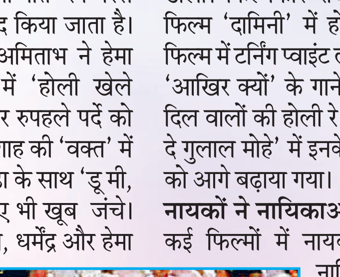
'डर' में सनी देओल-जूही चावला

'वक्त' में अक्षय-प्रियंका चोपड़ा

फिल्मी कथा में होली का तरह-तरह से उपयोग: फिल्मों में होली से जुड़ा दिलचस्प पहलू यह भी है कि जहां कुछ फिल्मकारों ने होली को फिल्म की कहानी आगे बढ़ाने के लिए उपयोग किया, तो कुछ ने टर्निंग प्वाइंट लाने के लिए। कुछ ऐसे भी थे, जिन्होंने इसे सिर्फ मौज-मस्ती और गाने फिट करने के लिए फिल्म में डाला। फिल्मकार राजकुमार संतोषी ने अपनी फिल्म 'दामिनी' में होली के दृश्य का उपयोग फिल्म में टर्निंग प्वाइंट लाने के लिए किया, जबकि 'आखिर क्यों' के गाने 'सात रंग में खेल रही है दिल वालों की होली रे' और 'कामचोर' के 'मल दे गुलाल मोहे' में इनके जरिए फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाया गया।

नायकों ने नायिकाओं के जीवन में भरे रंग: कई फिल्मों में नायक होली के माध्यम से नायिकाओं के जीवन में रंग भरने की कोशिश करते भी दिखे। फिल्म 'धनवान' में राजेश खन्ना ने रीना रॉय के लिए 'मारो भर-भर पिचकारी' तो 'फूल और पत्थर' में धर्मेंद्र, मीना कुमारी के लिए 'लाई है हजारों रंग होली' गाते दिखे। इसी तरह फिल्म 'कटी पतंग' में राजेश खन्ना पर फिल्माए गाने 'आज न छोड़ेंगे बस हमजोली' ने आशा पारेख को अपने अतीत की याद दिला दी थी।

अब कम दिखते हैं होली के रंग: अब फिल्मों में रुचि रखने वाले दर्शकों की पसंद काफी बदल चुकी है। कभी-कभी ही फिल्मों से होली गीत दिखते हैं। बीते बरस की फिल्मों में 'जॉली एलएलबी-2' में अक्षय कुमार और हुमा कुरैशी पर फिल्माया एक होली गाना दिखाई दिया था। लेकिन वास्तविकता यही है कि आजकल की फिल्मों में होली के रंग फीके पड़ गए हैं। *